संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -10 शुक्रवार,10 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

परणीत ने कैसे दी सांसदी खत्म करने के पक्ष में वोट

कौन हैं कांग्रेस सांसद परणीत कौर ? जिन्होंने महुआ मोइत्रा की सांसदी खत्म करने के पक्ष में किया वोट

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023(ए)। पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोप में लोकसभा की आचार समिति ने तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता निरस्त करने की सिफारिश की है। छह-चार के बहुमत से समिति में स्वीकार्य किये गए रिपोर्ट को आगे की कार्रवाई के लिए लोकसभा अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा।

माना जा रहा है कि शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन संभवतः 4 दिसंबर को इस बाबत सदन में प्रस्ताव आएगा और मोईत्रा की सदस्यता रद की जाएगी। इसके पहले 2005 में पैसे के लेकर प्रश्न पूछने के आरोप में 11 सांसदों की सदस्यता जा चुकी है। पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोप जितने गंभीर हैं, कार्रवाई की अनुशंसा भी उसी तेजी से आई। भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे की औपचारिक शिकायत के 25 दिनों के अंदर समिति ने सिफारिश दे दी। कई दौर की बैठक हो चुकी थी जिसमें सभी संबंधित पक्षों को अपनी बात रखने का मौका दिया। लगभग 500 पन्नों की रिपोर्ट में उन सभी के बयान को शामिल किया गया है।

गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय की जांच के रिपोर्ट भी शामिल किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि पैसे लेकर मोईत्रा ने न संसद और देश की सुरक्षा के साथ समझौता किया। गुरुवार को जब यह रिपोर्ट समिति के पास रखी गई तो विभाजन स्पष्ट दिखा। विपक्षी दलों के चार सांसदों ने असहमति में वोट दिया और कांग्रेस सदस्य परणीत कौर ने मोईत्रा की सदस्यता रद करने के पक्ष में। हालांकि फिलहाल वह

कांग्रेस से निलंबित हैं।

समिति के कुछ सदस्य व्यक्तिगत कारणों से समिति की बैठक में उपस्थित नहीं हो पाए थे, जिसमें भाजपा के तीन सदस्य थे। गुरुवार को बैठक महज 20 मिनट में खत्म हो गई। आगामी शीतकालीन सत्र में इसे सदन में पेश किया जाएगा।

माना जा रहा है कि सदन में विपक्षी दल भी इसका विरोध करने से शायद बचें। 2005 में भी जब इस तरह का प्रस्ताव आया था तो सदन ने एकमत से उसे स्वीकार किया था। अगर असहमति बनी तो सदन में मतदान भी कराया जा सकता है। ध्यान देने की बात है कि निशिकांत दुबे अपनी शिकायत में महुआ मोइत्रा पर उद्योगपति हीरानंदानी से महंगे गिफ्ट और पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगाया था।

जांच के दौरान यह साफ हो गया कि मोइत्रा ने एक सांसद के रूप में मिली आइडी और पासवर्ड को हीरानंदानी के साथ शेयर किया था। मोइत्रा के सांसद के एकाउंट के 41 बार दुबई से लागइन किये जाने के भी सबूत मिले हैं। जबकि इसे गोपनीय रखने और निजी उपयोग तक सीमित रखने का नियम है। बुधवार को निशिकांत दुबे ने इस मामले में सीबीआइ जांच शुरू होने का भी दावा किया है। दुबे के अनुसार उन्होंने इसकी शिकायत लोकपाल को की थी और लोकपाल ने जांच के लिए इसे सीबीआइ को भेज दिया है।

दानिश अली को भी चेतावनी

बसपा सदस्य दानिश अली के व्यवहार भी पर समिति ने गहरी रोष जताया है। दरअसल, मोइत्रा के साथ खड़े दानिश ने पिछली बैठक के बाद आचार समिति के अध्यक्ष विनोद सोनकर के बयानों को तोड़ मरोड़ कर बाहर पेश किया था। समिति ने कहा कि उनका यह आचरण बहुत खेदजनक है और उन्हें भविष्य के लिए चेतावनी दी जानी चाहिए। जाहिर है कि शीतकालीन सत्र में उन्हें भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ सख्त एक्शन की तैयारी, एथिक्स कमेटी में प्रस्ताव पारित

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में महुआ की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 9 नवंबर को इस मामले में एथिक्स कमेटी की बैठक हुई। कमेटी के 10 में से 6 मेंबर्स ने महुआ को लोकसभा से निष्कासित करने के लिए वोट किया। 4 मेंबर्स ने इसके विपक्ष में वोट दिया।सूत्रों के मुताबिक, ये रिपोर्ट अब लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला को सौंपी जाएगी। एथिक्स कमिटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर ने बताया कि कमेटी की ओर से जो फैक्ट-फाइंडिंग पाई गई है उस रिपोर्ट के आधार पर और सिफारिशों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट स्पीकर को भेजी जा रही है। अब जो भी कार्रवाई की जाएगी वो लोकसभा स्पीकर की ओर से होगी। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस सांसद परनीत कौर ने रिपोर्ट के समर्थन में वोट किया है। दरअसल, पनीत कौर कांग्रेस सांसद हैं, लेकिन पार्टी ने उन्हें निलंबित किया हुआ है।

मणिपुर में दिल दहला देने वाली घटना

महिला समेत 2 की लाशें बरामद-आंखों पर पट्टी बंधी, सिर पर गोलियों के निशान

इंफाल ,09 नवम्बर 2023(ए)।

मणिपुर की राजधानी इंफाल से बड़ी खबर सामने आई। पुलिस ने महिला समेत 2 लोगों के शव बरामद किए जोकि ताइरेनपोकपी इलाके के आसपास मिला। इंफाल पूर्वी जिले के ताखोक मापल माखा इलाके में एक पुरुष की डेड बॉडी मिली, जिसकी उम्र लगभग 40 साल है। मृतकों की आंखों पर पट्टी बंधी हुई थी और हाथ पीठ के पीछे बंधे हुए थे और सिर पर गोली के निशान थे।

आरक्षण बढ़ाने वाला विधेयक सर्वसम्मति से हुआ पारित

» **इस विधेयक का भाजपा ने भी किया समर्थन**

पटना,09 नवम्बर 2023(ए)। बिहार के विधानसभा सत्र के दौरान मंगलवार (07 नवंबर) को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से आरक्षण का दायरा 50 से बढ़ाकर 65 फीसदी करने का प्रस्ताव पेश किया था,जो कि गुरुवार को पारित हो गया है। बिहार में सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण बढ़ाने की मांग वाला आरक्षण संशोधन विधेयक गुरुवार को बिहार विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित हो गया।

बिहार कैबिनेट ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए कोटा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने का प्रस्ताव पेश किया था।

बीजेपी विधायक ने समर्थन देते ये कहा

बीजेपी की ओर से विधानसभा में इस विधेयक का समर्थन करते हुए नंद किशोर यादव ने कहा कि उनकी पार्टी का हमेशा से मानना रहा है कि देश तब तक आगे नहीं बढ़ सकता जब तक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों का उत्थान नहीं होता।

अब कितना होगा आरक्षण

बिहार में अब आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कोटा के लिए केंद्र के 10 प्रतिशत कोटा के साथ, प्रस्तावित आरक्षण 75 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा। जिसमें अनुसूचित जाति (एससी) को 20 फीसदी, अनुसूचित जनजाति (एसटी)को 2 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) की 43 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

बिहार में मौजूदा आरक्षण का प्रतिशत

वर्तमान में बिहार में राज्य की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में ईबीसी के लिए 18 प्रतिशत, ओबीसी के लिए 12 प्रतिशत, एससी के लिए 16 प्रतिशत, एसटी के लिए 1 प्रतिशत और पिछड़े वर्ग की महिलाओं के लिए 3 प्रतिशत आरक्षण है।

दिवाली पर भरी रहेगी रिटायर फौजियों की जेब

» **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिया ओआरओपी की तीसरी किस्त जारी करने का आदेश**

नई दिल्ली ,09 नवम्बर 2023(ए)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दीपावली से ठीक पहले 'वन रैंक, वन पेंशन' स्कीम की तीसरी किस्त जारी करने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यह आदेश जारी किया। राजनाथ सिंह ने रक्षा मंत्रालय स्पर्श प्रणाली के जरिए पेंशन पाने वाले पूर्व रक्षाकर्मियों को वन रैंक, वन पेंशन स्कीम के तहत भुगतान की तीसरी किस्त जारी करने का निर्देश दिया है। रक्षा मंत्री कार्यालय के मुताबिक सभी पूर्व सैन्य कर्मियों को पेंशन के लिए, ओआरओपी तीसरी किस्त दीपावली से पहले जारी करने का निर्देश दिया गया है। बैंकों और अन्य एजेंसियों के जरिए पेंशन हासिल करने वाले रक्षा मंत्रालय के पेंशनभोगियों के लिए ऐसा ही करने का निर्देश दिया गया है।

गौरतलब है कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ने वन रैंक वन पेंशन योजना (ओआरओपी) का भी जिक्र किया था। प्रधानमंत्री का कहना था कि यह रक्षा पेंशनभोगियों की काफी समय से लंबित मांग थी, जिसे सरकार ने सत्ता में आते ही लागू किया था। उन्होंने कहा, ओआरओपी हमारे देश के सैनिकों के सम्मान का विषय था। जब हम सत्ता में आये तो हमने इसे लागू किया। आज पूर्व-सैनिकों और उनके परिवारों तक 70,000 करोड़ रुपये पहुंचाए गए हैं। सरकार ने रक्षा बलों के कार्मिकों, पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए वन रैंक, वन पेंशन (ओआरओपी) को लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। 1 जुलाई 2014 से पेंशन में पुनरीक्षण के लिए 7 नवंबर, 2015 को नीति पत्र जारी किया। उक्त नीति पत्र में, यह उल्लेख किया गया था कि भविष्य में पेंशन हर पांच वर्ष में फिर से निर्धारित की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों,विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के दिए निर्देश

नई दिल्ली ,09 नवम्बर 2023(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटान की निगरानी के लिए स्वतः संज्ञान लेते हुये मामले दर्ज करने का निर्देश दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों के त्वरित निपटान के लिए एक समान दिशानिर्देश जारी करना मुश्किल होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रत्येक उच्च न्यायालय में गठित होने वाली विशेष पीठ राजनीति के

अपराधीकरण पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर निर्देश जारी करेगी। इस काम में वह महाधिवक्ता और राज्य सरकार के अन्य अधिकारियों की सहायता ले सकती है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी जिला और सत्र न्यायालयों से इस मुद्दे पर स्थिति रिपोर्ट भी मांग सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने 11 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए स्पष्ट किया था कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 8 की वैधता से संबंधित मुद्दे की अलग से जांच की जाएगी, जो चुनाव लड़ने से अयोग्यता की अवधि को छह साल तक सीमित करती है।

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत

नई दिल्ली ,09 नवम्बर 2023(ए)। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को आज एक मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। वाराणसी की एमपी/एमएलए कोर्ट से जारी गैर जमानती वारंट के अमल पर शीर्ष अदालत ने 5 हफ्ते की रोक लगाई है। सुरजेवाला से कोर्ट ने कहा कि वह वारंट रद्द करवाने के लिए एमपी/एमएलए कोर्ट में आवेदन दें। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान हुए उपद्रव से जुड़े मामले में सुरजेवाला को राहत दी है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की

अध्यक्षता वाली पीठ ने सुरजेवाला को पांच सप्ताह के भीतर एनबीडब्ल्यू रद्द करने के लिए विशेष न्यायाधीश (एमपी/ एमएलए) वाराणसी की अदालत से संपर्क करने को कहा है। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता को एनबीडब्ल्यू को रद्द करने के लिए एक आवेदन दायर करने की स्वतंत्रता दी गई है। इस बीच पांच सप्ताह तक की अवधि के लिए वारंट निष्पादित नहीं किया जाएगा।

4 दिसंबर से संसद का शीतकालीन सत्र

» **पांच राज्यों में चुनाव के तुरंत बाद होगा संसद का शीतकालीन सत्र**

» **19 दिनों तक चलने वाले शीतकालीन सत्र में होंगी 15 बैठकें**

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023(ए)। संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से लेकर 22 दिसंबर तक चलेगा। बकौल प्रह्लाद जोशी, 19 दिनों तक चलने वाले शीतकालीन सत्र में 15 बैठकें होंगी।

प्रह्लाद जोशी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट कर शीतकालीन सत्र की जानकारी दी।

चुनाव के तुरंत बाद होगा शीतकालीन सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद शुरू होगा। बता दें कि तीन दिसंबर को सभी पांचों राज्यों में वोटो की गिनती होगी और चार दिसंबर को संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो जाएगा।

इन विधेयकों पर हो सकती है चर्चा

सूत्रों ने बताया कि आईपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य अधिनियम को प्रतिस्थापित करने वाले तीन प्रमुख विधेयकों पर सत्र के दौरान विचार किए जाने की संभावना है, क्योंकि गृह मामलों की स्थायी समिति ने हाल ही में तीन रिपोर्टों को स्वीकार किया है। संसद में लंबित एक अन्य प्रमुख विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित है।

कांग्रेस नेता के परिसरों पर तड़के तीन बजे आयकर विभाग ने मारा छापा, कर्मचारियों के मोबाइल जब्त;खंगाले रिकॉर्ड

खम्मम ,09 नवम्बर 2023(ए)। तेलंगाना विधानसभा के लिए 30 नवंबर को होने वाले चुनाव में खम्मनम जिले के पलेरू निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीवदवार पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के परिसरों पर आयकर (आईटी) विभाग ने गुरुवार सुबह छापेमारी शुरू की। पूर्व सांसद श्रीनिवास रेड्डी ने एक दिन पहले ही केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी की आशंका जताई थी। आयकर विभाग के अधिकारी गुरुवार तड़के खम्मम में उनके घर और कार्यालयों पर पहुंचे और रिकार्ड खंगाले। कड़ी सुरक्षा के बीच तड़के करीब तीन बजे शुरू हुई तलाशी खबर लिखे जाने तक जारी थी।

आयकर अधिकारियों ने तलाशी लेने से पहले कर्मचारियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। श्रीनिवास रेड्डी, जो एक व्यवसायी भी हैं, गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करने वाले थे।

पूर्व सांसद जुलाई में कांग्रेस में शामिल हुए थे। इससे कुछ महीने पहले ही राज्य की सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निलंबित कर दिया था। श्रीनिवास रेड्डी नेदावा किया था कि आईटी की तलाशी

उनके, उनके परिवार के सदस्यों, समर्थकों और जिले के अन्य प्रमुख कांग्रेस नेताओं के खिलाफ होने की संभावना है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस ने कांग्रेस नेताओं पर छापेमारी के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने के लिए मिलीभगत की है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि इन छापों से पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में चुनाव जीत रही है।

श्रीनिवास रेड्डी, जो कांग्रेस अभियान समिति के सह-अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि पार्टी के नेताओं को अगले कुछ दिनों में कठिन समय का सामना करना पड़ेगा। पूर्व सांसद ने नेताओं से कहा कि वे छापेमारी से चिंतित न हों।

एलपीजी ग्राहकों को मिलेगा सस्ता एलपीजी सिलेंडर !

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023(ए)। देश में आगामी मार्च-अप्रैल महीने में लोकसभा चुनाव होने की उम्मीद है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पहले ही एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दे सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मोदी सरकार गैस सिलेंडर पर सब्सिडी बढ़ाने पर विचार कर रही है। यह सब्सिडी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दिए जाने की संभावना है। इससे करोड़ों गैस उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

ग्राहकों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर-

सरकार उज्जवला योजना का लाभ अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंचाने पर भी जोर दे रही है। बढ़ती महंगाई में सरकार गैस के दामों को लेकर कोई बड़ा फैसला ले सकती है। सितंबर महीने के लिए खुदरा महंगाई दर घटकर 5.02 फीसदी पर आ गई है। सरकार ने आरबीआई को महंगाई दर 4 से 6 फीसदी के बीच रखने का निर्देश दिया है। इससे पहले जुलाई में महंगाई दर 15 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत 903 रुपये

मौजूदा समय में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को साल में 12 सिलेंडर पर 300 रुपये प्रति सिलेंडर की सब्सिडी मिलती है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 903 रुपये है। लेकिन यह सब्सिडी मिलने के बाद लाभार्थी को यह सिलेंडर 603 रुपये में मिलता है।

कतर में आठ भारतीयों को फांसी की सजा के मामले में भारत सरकार ने दायर की अपील

» **विदेश मंत्रालय ने दिया अपडेट**

» **भारत कतर के अधिकारियों के संपर्क में हैः अरिंदम बागची**

» **कतर की अदालत की फैसले के खिलाफ अपील दायरः बागची**

» **दूसरी बार भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने की इनसे मुलाकात**

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023(ए)। कतर की एक अदालत से भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को मिली मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार ने वहां की एक दूसरी अदालत में मामला दायर किया है। साथ ही सरकार कतर के साथ

कूटनीतिक स्तर पर संवाद जारी रखे हुए है ताकि मामले को अदालत से बाहर निबटाने की सूरत बने।

रहस्य बना हुआ है अदालत का फैसला

उल्लेखनीय बात यह है कि कतर की अदालत ने भारतीय नौसेना के इन अधिकारियों को किस मामले में मौत की सजा दी है, यह अभी तक रहस्य बना हुआ है। ये अधिकारी नौ सेना से सेवानिवृत्त हो चुके हैं और फिलहाल कतर की एक कंपनी में कार्यरत थे। ये जिस कंपनी में काम कर थे उसका संचालन भी बंद कर दिया गया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को बताया कि पिछले मंगलवार (07 नवंबर) को ही फांसी की सजा प्राप्त भारतीय अधिकारियों से भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने मुलाकात की है। अगस्त, 2022 में गिरफ्तार इन अधिकारियों से अभी तक सिर्फ दो बार भारतीय दूतावास की पहुंच दी गई है।

आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है टीमः बागची

उन्होंने कहा कि अदालत का फैसला काफी गोपनीय है और उसे सिर्फ कानूनी टीम के साथ साझा किया गया है। टीम आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी में जुटी है। इस बारे में अपील भी दायर कर दी गई है। हम इस बारे में कतर की टीम के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। हम इन भारतीयों के परिजनों के साथ संपर्क में भी हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनके साथ हाल ही में मुलाकात भी की थी।

सैन्य बलों से संबंधित है कंपनी

मालूम हो कि अल दाहरा में कंपनी में कार्यरत उक्त सभी अधिकारी भारतीय नौसेना के प्रमुख पदों पर काम कर चुके हैं और तकरीबन सभी भारतीय नौसेना के प्रमुख युद्धक पोतों पर भी तैनात रह चुके हैं। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि ये कतर की जिस कंपनी में काम करते हैं वह भी वहां के सैन्य बलों से संबंधित है।

कतर सैन्य बलों के लिए काम कर रहे थे अधिकारी

कतर के मीडिया ने इन पर इजरायल के लिए जासूसी करने संबंधी कुछ रिपोर्टें प्रकाशित की है। हालांकि इन अधिकारियों के परिजनों ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया है। इनका कहना है कि ये कतर सैन्य बलों के लिए काम कर रहे थे।

C M Y K

संपादकीय

साख नहीं,तो क्या बचा ?

यह अपेक्षा तो रहती ही है कि तय प्रावधान का- उसकी भावना के मुताबिक पालन किया जाए। सिर्फ तभी नियुक्त व्यक्ति- और प्रकारांतर में जिस संस्था का प्रमुख उसे बनाया गया है, उसकी साख लोगों की निगाह में बनी रह सकती है।

अगर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी की बात सच है, तो फिर यही कहा जाएगा कि पारदर्शिता और सहमति की भावना का उल्लंघन करते हुए सरकार ने मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) की नियुक्ति कर दी। चौधरी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर शिकायत की है कि जिस बैठक में हीरालाल समारिया को सीआईसी बनाने का फैसला हुआ, उसमें वे उपस्थित नहीं थे, क्योंकि नए सिरे से तय हुई नियुक्ति समिति की बैठक के बारे में उन्हें सूचित नहीं किया गया था। प्रावधान यह है कि सीआईसी की नियुक्ति वह कमेटी करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता, और एक केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। ऐसी परिस्थिति में अगर सरकार विपक्ष की राय दरकिनार करने को ठान ले, तो वह आसानी से ऐसा कर सकती है। फिर भी यह अपेक्षा तो रहती ही है कि तय प्रावधान का- उसकी भावना के मुताबिक पालन किया जाए। सिर्फ तभी नियुक्त व्यक्ति- और प्रकारांतर में जिस संस्था का प्रमुख उसे बनाया गया है, उसकी साख लोगों की निगाह में बनी रह सकती है। मगर यह साफ है कि मौजूदा केंद्र सरकार इस सामान्य जन अपेक्षा का आदर भी करने को तैयार नहीं है। इसीलिए वर्तमान सरकार के कार्यकाल में संस्थाओं की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता में भारी गिरावट की शिकायतें आम होती गई हैं। इन सबका सकल परिणाम लोकतंत्र के पैमानों पर भारत का दर्जा गिरने के रूप में सामने आया है। बेशक, इन सबके बावजूद सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी मोटे तौर पर मतदाताओं एक बहुत बड़े तबके में अपना आधार बनाए रखने में अब तक कामयाब है। इससे उसे चुनावी सफलताएं मिलती रही हैं। मगर सिर्फ चुनावी बहुमत प्राप्त करना लोकतंत्र नहीं है। अवरोध एवं संतुलन की मजबूत व्यवस्था, पारदर्शिता, और मर्यादाओं का सम्मान उसके अभिन्न घटक हैं।

यमराज की पूजा का पर्व है धनतेरस

धनतेरस का त्योहार दिवाली त्योहार के पहले दिन को दर्शाता

रमेश सर्राफ 'धमोरा'
झुंझुनू, राजस्थान

है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चैक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी

मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है, इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं, उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

जिन्दगी अगर किताब होती

ज़िन्दगी अगर किताब होती
कोई ही उसको सही से पढ़ पाते
किसी की रखी
रह जाती अलमारी में
कोई वरके फाड़ के उड़ जाते
किसी के वरके कोरे रह जाते
किसी के लाल-पीले
रंगों में रंग जाते
कोई कंठस्थ कर लेता हर्फ़ हर्फ़
कोई सब कुछ भूल जाते
किसी की किताब का पहला और
आखिरी पन्ना
होता बहुत सुंदर और लाजबाब
लेकिन बीच के पन्नों से फाड़ देते
वह पन्ना
जिस में कुछ लिखा होता खराब
कोई पन्ना हवा के झोंके से
अचानक खुल जाता
बीता हुआ बचपन जवानी उसमें
सब नज़र आता
कुछ चेहरे आते नज़र जो अब नहीं
है दुनिया में
यादें उनकी कोई मन से कैसे
निकाल पाता
यह ज़िन्दगी एक किताब सी ही है
उसके लिए
जो खोल कर एक एक पन्ना
पढ़ गया
नाकाम ही रहा वह उम्र भर
जिसने नहीं खोली
मन लगा कर जिसने पढ़ी सीढ़ी
दर सीढ़ी चढ़ गया

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
बिलासपुर हिमाचलप्रदेश

भाजपा भी जात राजनीति के खेल में

भारतीय जनता पार्टी व्यापक रूप से जाति की राजनीति को हिंदुत्व की राजनीति का विरोधी मानती रही है। तभी वह जातीय समीकरण बनाने, सोशल इंजीनियरिंग करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जाति बता कर वोट मांगने के बावजूद एक बड़ा नैरेटिव हिंदुत्व का बना कर रखती है। उसके दायरे में ही वह जाति की राजनीति करती है। कह सकते हैं कि उसकी बारीक राजनीति जाति के प्रबंधन वाली होती है और बड़ी राजनीति हिंदुत्व की होती है। परंतु अब कांग्रेस और उसके गठबंधन की पार्टियों द्वारा जाति के मुद्दे को राजनीति का केंद्रीय मुद्दा बना देने के बाद लगता है कि भाजपा भी खुल कर यह राजनीति करेगी। तभी यह राजनीति का बिल्कुल नया और बहुत दिलचस्प दौर होगा, जिसमें मंडल और कमंडल की राजनीति का टकराव नहीं होगा, बल्कि मंडल की राजनीति का स्पेस लेने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और भाजपा गठबंधन एनडीए के बीच टकराव होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाल के दो भाषणों से इसका बहुत स्पष्ट संकेत मिला है। उन्होंने पहले छत्तीसगढ़ की एक रैली में कहा कि भाजपा जाति गणना की विरोधी नहीं है। इसके बाद वे बिहार में भाजपा की एक रैली को संबोधित करने गए तो बहुत खुल कर जाति की राजनीति पर बोले। उन्होंने कहा कि बिहार में जाति गणना का फैसला हुआ तो भाजपा भी राज्य सरकार का हिस्सा थी और इस वजह से यह फैसला भाजपा का था। यह बात पहले बिहार प्रदेश के भाजपा के नेता कह रहे थे। पहली बार अमित शाह ने खुल कर जाति गणना की बात की और उसका श्रेय भाजपा को दिया। सो, छत्तीसगढ़ और उसके बाद बिहार में उनके भाषण से यह अंदाजा हो रहा है कि भाजपा अगले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन का मुकाबला करने के लिए उसकी पिच पर जाकर खेलने की तैयारी कर रही है।

ध्यान रहे अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री हैं और जनगणना का मुद्दा उनके मंत्रालय के तहत आता है। उन्होंने कहा हुआ है कि 2021 की जनगणना 2024 के लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद होगी। सवाल है कि क्या वे लोकसभा चुनाव से पहले यह घोषणा कर सकते हैं कि अगली जनगणना में जातियों की गिनती होगी? अगर वे इसकी घोषणा करते हैं तो यह गेमचेंजर साबित हो सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना में अगर जातियों की गिनती होती है तो राज्यवार हो रही जाति गणना स्थगित हो जाएगी। राज्यवार जातियों की गणना का ऐलान करके पार्टियां अपने अपने समर्थक समुदाय को साधने की राजनीति कर रही हैं। जनगणना में जाति गिनने की घोषणा इस राजनीति पर विराम लगा देगी। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा और हिंदुत्व के दूसरे मुद्दों के साथ साथ अगर भाजपा पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियों की

राजनीति को ध्यान में रखते हुए जाति गणना की घोषणा करती है तो वह विपक्षी गठबंधन को उसकी राजनीति के मैदान में घुस कर चुनौती दे सकती है।

ऐसा लग रहा है कि भाजपा ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। जनगणना में जातियों की घोषणा चुनाव से पहले होगी या उसके बाद में होगी यह तो आने वाले समय में पता चलेगा लेकिन जिस अंदाज में भाजपा को ओबीसी का हितैषी बताने का अभियान चल रहा है उससे लग रहा है कि भाजपा अब मंडल की राजनीति कर रही पार्टियों को उनके मैदान में उतर कर चुनौती देना चाहती है। असल में कांग्रेस ने भाजपा को इस राजनीति के लिए मजबूर किया। इससे पहले कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियां जाति की राजनीति से दूर रहती थीं। लेकिन जब से नीतीश कुमार ने राहुल गांधी को समझाया कि जाति गणना करा कर आरक्षण की सीमा बढ़ाने की घोषणा की जाए तो भाजपा के हिंदुत्व की राजनीति को चुनौती दी जा सकती है और राहुल ने इस पर अमल शुरू किया तभी से भाजपा की मजबूरी हो गई कि वह भी इस तरह की राजनीति करे।

इस राजनीति के तहत भाजपा पिछड़ी जातियों के लिए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए गए कामों को हाईलाइट कर रही है। अमित शाह ने बिहार के मुजफ्फरपुर में बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। पहले एससी और एसटी कमीशन को तो संवैधानिक दर्जा था लेकिन ओबीसी आयोग वैधानिक निकाय था, जिसको मोदी सरकार ने संवैधानिक दर्जा दिया है। शाह ने यह भी बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने मेडिकल में दाखिले की परीक्षा में केंद्र सरकार के कोटे में ओबीसी समुदाय को 27 फीसदी आरक्षण दिया। नवोदय और सैनिक स्कूलों में पहली बार ओबीसी के छात्रों को आरक्षण दिया गया। शाह ने बताया कि मोदी सरकार में 27 ओबीसी मंत्री हैं यानी 35 फीसदी मंत्री ओबीसी समुदाय के हैं। ओबीसी के लिए वेंचर कैपिटल फंड की व्यवस्था पहले से की गई थी और इस साल लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री मोदी कारीगरों के लिए विश्वकर्मा योजना का ऐलान किया था, जिसे लागू कर दिया गया है। इसका फायदा अत्यंत पिछड़ी जातियों को होगा। इतना ही नहीं राजीव गांधी नेशनल फेलोशिप के तहत पहली बार ओबीसी छात्रों को आरक्षण दिया गया। जब से राहुल गांधी ने ओबीसी का राग आलपना शुरू किया तब से मीडिया में कई बार यह खबर आ चुकी है कि कांग्रेस के मुकाबले भाजपा ने दोगुने ओबीसी मुख्यमंत्री बनाए हैं। ये सारे तथ्य भाजपा की ओर से जनता को बताए जा रहे हैं।

भाजपा ने जाति की राजनीति में हाथ आजमाने के लिए यह भी चुन लिया है कि कौन सी जातियां उसके साथ जुड़ सकती हैं। जैसे बिहार में अमित शाह ने यादव को मुस्लिम के साथ जोड़ कर कहा कि जाति गणना में दोनों की आबादी को बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया है और इससे अत्यंत पिछड़ी जातियों की संख्या कम कर दी गई है। जाहिर तौर पर उन्होंने गैर यादव पिछड़ी और अत्यंत पिछड़ी जातियों की राजनीति साधने के लिए यादव और मुस्लिम पर अटैक किया है। उत्तर प्रदेश में भी भाजपा की यही रणनीति है। वहां भी गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जुड़ता है। पिछले दो लोकसभा चुनावों के आंकड़ों से यह साबित हुआ है कि अत्यंत पिछड़ी जातियों का रूझान भाजपा की ओर है। 2019 के चुनाव में अत्यंत पिछड़ी जाति के दो में से एक वोट भाजपा को मिला है। अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन वोट के इस गणित को न बिगाड़े इसके लिए जरूरी है कि भाजपा भी जाति की राजनीति में उतरे। वह प्रधानमंत्री मोदी के नाम और ओबीसी के लिए किए गए उनके काम को आधार बना कर गैर यादव पिछड़ा और अत्यंत पिछड़ा वोट को एकजुट करने की राजनीति करेगी। इसके लिए अगर जाति गणना की घोषणा करनी पड़े तो भाजपा वह भी करेगी।

-अजीत द्विवेदी-

भगवान धन्वन्तरि का जन्म मानव कल्याण के लिये हुआ था

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह 'सहज'
हरदा,मध्यप्रदेश

धनतेरस का महत्व

हिंदू धर्म में बहुत उच्च माना जाता है,

दिवाली से 2 दिन पहले मनाया जाने वाले इस पर्व को धनत्रयोदशी भी कहते हैं । इस दिन भगवान धनवंतरी की पूजा की जाती है और प्रदोष काल में यम के नाम से दीपदान किया जाता है । धनतेरस के दिन सोना , चांदी , बर्तन , भूमि खरीदना बहुत ही शुभ माना जाता है ।

कार्तिक माह (पूर्णिमान्त) की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन समुद्र - मंन्थन के समय भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे , इसलिए इस तिथि को धनतेरस या धनत्रयोदशी के नाम से जाना जाता है । भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है ।शास्त्रों के अनुसार धनतेरस में भगवान धनवंतरी की पूजा से इस सृष्टि में सुख और समृद्धि प्राप्त होती है,

भगवान धन्वन्तरि आयुर्वेद प्रवर्तक हैं । हिन्दू धर्म अनुसार ये भगवान विष्णु के अवतार हैं । इनका पृथ्वी लोक में अवतरण समुद्र मंथन के समय हुआ था । शरद पूर्णिमा को चंद्रमा , कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय , त्रयोदशी को धन्वंतरी , चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती महालक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था ।भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक व स्वास्थ्य के -अधिष्ठाता देवता होने से विश्व वंद्य हैं । सनातन धर्म के अनुसार भगवान विष्णु ने जगत त्राण हेतु 24 अवतार धारण किए हैं जिनमें भगवान धन्वंतरि 12 वें अंशावतार हैं अर्थात आप साक्षात् विष्णु अर्थात श्री हरि के रूप हैं । इनके प्रादुर्भाव का रोचक वृतान्त पुराणों में मिलता है ।

भगवान धन्वन्तरि जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था । भगवान धन्वन्तरि चूँकि कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है । कहीं कहीं लोकमान्यता के अनुसार यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें तेरह गुणा वृद्धि होती है । इस अवसर पर लोग धनियाँ के बीज खरीद कर भी घर में रखते हैं । दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग - बगीचों में या खेतों में बोते हैं । धनतेरस के दिन चाँदी खरीदने की भी प्रथा है , जिसके सम्भव न हो पाने पर लोग चाँदी के बने बर्तन खरीदते हैं । इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है ,जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है । सन्तोष को सबसे बड़ा धन कहा गया है । जिसके पास सन्तोष है वह स्वस्थ है , सुखी है , और वही सबसे धनवान है । भगवान धन्वन्तरि जो चिकित्सा के देवता भी हैं । उनसे स्वास्थ्य और सेहत की कामना के लिए संतोष रूपी धन से बड़ा कोई धन नहीं है । लोग इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी जी, गणेश जी, की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हैं ।भगवान धन्वन्तरि का जन्म मानव कल्याण के लिये हुआ था

दीपोत्सव

दीपोत्सव के इस, पावन बेला पर
चलिए हम घर-आँगन जगमगाएँ।
दीपों के लौ से हों सब आलोकित
तन-मन में भी उजियारा भर जाएँ।
दूर तमस हों और मन अलंकृत हों
सद्भावनाओं के मृदु तार झंकृत हों
इस जीवन में, नव-रस संचरित हों
जड़-जीव-जगत सब पुलकित हों।
शुद्ध-सरल,निष्पाप हों यह जीवन
यह जग बन जाये मधुमय-मधुबन
प्यार आस्था-विस्वास महक जाय
चलो करें एक दूसरे का अभिनंदन।
करें संकल्प और सब करें प्रार्थना
मानवता का नित सब करें साधना
दुष्ट-दलन हों, दूर मन से अगन हों
दुर्भावना दुराग्रह की न हो,कामना।

अशोक पटेल
आशु
मेघा-धमतरी
छत्तीसगढ़.

कविता

ऐ देश तू बढ़ता चल,
ऐ भारत तू बढ़ता चल
कल भी हमारा था,
आज भी हमारा है,
होगा आने वाला कल,
ऐ देश तू बढ़ता चल,
ऐ भारत तू बढ़ता चल
चाहे हजार मुश्किलें आए,
उन मुश्किलों से लड़ता चल,
ऐ देश तू बढ़ता चल,
ऐ भारत तू बढ़ता चल,
सामने पहाड़ हो,
सिंह की दहाड़ हो,
डटा रहे हर पल,
ऐ देश तू बढ़ता चल,
ऐ भारत तू बढ़ता चल,
निरंतर विकास करता चल,
प्रगति के पथ पर बढ़ता चल,
ऐ देश तू बढ़ता चल ,
ऐ भारत तू बढ़ता चल,
भारत माता का सदा
हरा भरा रहे आंचल,
बढ़ता रहे ऊर्जा और बल
ऐ देश तू बढ़ता चल,
ऐ भारत तू बढ़ता चल,
नित नए ऊंचाइयों को छूता चल
तू विश्व गुरु बनेगा
आज नहीं तो कल,
ऐ देश तू बढ़ता चल,
ऐ भारत है तू बढ़ता चल।

श्याम सुंदर
साहू
राजिम
गरियाबंद (
छत्तीसगढ़.)

केजरीवाल क्यों टारगेट में सर्वाधिक ?

संदेह नहीं है कि मोदी-शाह के नंबर एक टारगेट पर अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी है। वजह क्या? तात्कालिक कारण लोकसभा चुनाव की भाजपा रणनीति है। जबकि मूल कारण केजरीवाल की वह इमेज है, जिससे वे नरेंद्र मोदी की बराबरी में अपने को ईमानदार, राष्ट्रवादी, भारत माता के भक्त, विकास, गरीबों के भले, रेवड़ियों की जुमलेबाजी करते आए हैं। अरविंद केजरीवाल को भी अभिनय, भाव-भंगिमा, जुमलों और झूठ से लोगों का बहकाना, भक्त बनाना आता है। केजरीवाल भी मध्य वर्ग, गरीब और पढ़े-लिखों सभी में यह धारणा बनवा लेते हैं कि केजरीवाल है तो मुमकिन है। मामूली बात नहीं है जो उन्होंने अपने जादू से 12 साल में आम आदमी पार्टी का राष्ट्रीय दर्जा बनवा लिया। दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनाई तो गुजरात से लेकर हरियाणा आदि राज्यों में चाल, चेहरे, चरित्र का हल्ला और वोट बनाए।

उस नाते छह महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव पर सोचें। मोदी-शाह की पहली प्राथमिकता क्या है? सर्वोच्च प्राथमिकता हिंदी भाषी प्रदेशों में, उत्तर भारत में भाजपा 2019 जितनी सीटें जीते। इसमें एक बड़ा खतरा कांग्रेस व आप के एलायंस का है। यदि इन्होंने एलायंस में चुनाव लड़ा तो दिल्ली (सात सीट), पंजाब (13), हरियाणा (11), चंडीगढ़ (एक), हिमाचल प्रदेश (चार) याकि कुल 36 लोकसभा सीटों पर भाजपा को कड़ी लड़ाई लड़नी होगी। पंजाब में न उसे और न उसकी सहयोगी किसी पार्टी को सीट मिलेगी। वही हरियाणा में भाजपा की गैर-जाट वोटों की राजनीति में केजरीवाल के वैश्य-मध्य वर्ग वोटों से मुश्किल होगी। ऐसा ही दिल्ली में होना है। मतलब इन 36 सीटों पर कांग्रेस व आप का एलायंस एक और एक ग्यारह होता है। यदि ये दोनों पार्टियां मिल कर 15-18 सीटें भी जीत जाएं तो भाजपा का गणित गड़बड़ा जाएगा।

इसलिए न केवल 2024 के लोकसभा चुनाव, बल्कि बाद के हरियाणा के चुनावों के तकाजे में भी जरूरी है कि येन केन प्रकारेण अरविंद केजरीवाल को दागी बता जेल में रखा जाए। लोगों के दिल-दिमाग से केजरीवाल की ईमानदार इमेज पर लगातार हथौड़े चला कर उसे ऐसा बना दिया जाए जिससे बनियों-मध्य वर्ग-गरीब की वोट बैंक राजनीति में वे बदनाम हो जाएं और यह धारणा बने कि आप अब खत्म।

दरअसल राहुल गांधी को पप्पू बनाना और अरविंद केजरीवाल को भ्रष्ट बनाना एक ही रणनीति के दो पहलू हैं। कम उम्र के राहुल और केजरीवाल (हेमंत और तेजस्वी को भी इस श्रेणी में रख सकते है। इसलिए इन पर भी ईडी-सीबीआई की मार) भविष्य में क्योंकि खतरा होंगे तो वक्त रहते इन्हें ऐसा पप्पू व भ्रष्ट करार दो ताकि लोगों के जहन में ये नाम कभी स्वीकार्य ही न हों। देश के लिए प्रधानमंत्री चुनने का जब भी सवाल आए तो लोग यह कहते हुए राहुल गांधी को नकारें कि तो क्या पप्पू को प्रधानमंत्री बनाएं या तिहाड़ में बंद अरविंद केजरीवाल को?

सचमुच हिसाब लगाएं तो मोदी-शाह-भाजपा और भक्तों की मीडिया टीम और मीडिया नैरेटिव में नौ सालों में जिस पैमाने पर राहुल गांधी को पप्पू व केजरीवाल को भ्रष्ट बनाने का जैसा मनोवैज्ञानिक अभियान चला है वैसा भारत के इतिहास में केवल एक ही बार पहले देखने को मिला है। वह अभियान था नरेंद्र मोदी को 'मौत का सौदागर' साबित करने का।

और देखिए, अब नरेंद्र मोदी बतौर प्रधानमंत्री अपने विरोधियों को खत्म करने के लिए कांग्रेसियों, सेकुलरों, वामपंथियों से भी अधिक बेशर्म तौर-तरीकों से किसी को पप्पू बनवा दे रहे हैं तो किसी को भ्रष्ट तो किसी को देशद्रोही।

सो, केजरीवाल का लोकसभा चुनाव के वक्त जेल में होना लगभग तय है। आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ने लायक नहीं रहेगी। दिल्ली-पंजाब के कांग्रेसी नेता भी आप को खत्म करार दे एलायंस में ना नुकुर करेंगे। संभव है ईडी आप पार्टी को ही कथित शराब घोटाले में लिप्त करार दे उसके अकाउंट को फ्रीज करने जैसे अचानक ऐसे एक्स्ट्रिम दांव चले, जिससे चुनाव लड़ना ही संभव नहीं रहे।

सवाल है क्या अरविंद केजरीवाल उससे पहले सरेंडर नहीं हो जाएंगे? कईयों का मानना है कि केजरीवाल का सरेंडर कराना, उनकी राजनीति को मायावती, अखिलेश यादव जैसा बनवाना भाजपा का मकसद हो सकता है। राघव चड्ढा या एक्सवाईजेड के जरिए आरएसएस-मोदी-शाह से परोक्ष बात कर पार्टी रहम पा सकती है। इंडिया एलायंस के भीतर विभीषण के रोल को अपना सकती है!

यों राजनीति में असंभव कुछ नहीं है। बावजूद इसके असल बात यह है कि मोदी-शाह के राजनीतिक रोडमैप में जहां केजरीवाल भविष्य का खतरा हैं वही प्रधानमंत्री मोदी पिछले नौ वर्षों में केजरीवाल से मिले अनुभवों को भी नहीं भूल सकते हैं। तभी केजरीवाल और उनकी सरकार के खिलाफ हर वह काम हुआ जो पहले कभी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री, राज्य और सरकार के अधिकार तक घटा दिए गए।

-हरिशंकर व्यास-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

विधानसभा चुनाव के दौरान पुलिसिंग में कसावट लाने एसपी ने दिया कई निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आगामी विधानसभा चुनावों के पूर्व पुलिसिंग व्यवस्था में कसावट लाने पुलिस अधीक्षक ने राजपत्रित पुलिस अधिकारियों सहित थाना, चौकी प्रभारियों की बैठक ली। बैठक में केंद्रीय बलों के ठहरने की अद्यतन व्यवस्था सहित, संवेदनशील मतदान केन्द्रों में केंद्रीय बलों को तैनाती एवं संवेदनशील क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना प्रभारियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए। सभी थाना-चौकी प्रभारियों को त्योहार पूर्व होने वाली भीड़ को देखते हुए लगातार पेट्रोलिंग कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई।

आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु गुरुवार को पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने जिले के सभी राजपत्रित पुलिस अधिकारियों सहित थाना व चौकी प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर एएसपी पुपलेश कुमार ने विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से लेकर अभी तक की स्थिति में थानावार की गई कार्रवाई के बारे में अद्यतन जानकारी दी। एसपी ने कहा कि सभी थाना, चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में आबकारी एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई, वारंट तामिली पर जोर देते हुए अधिकाधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने विधानसभा चुनाव हेतु प्राप्त केंद्रीय बलों के ठहरने की उचित व्यवस्था सहित संवेदनशील मतदान केन्द्रों में केंद्रीय बलों की तैनाती कर लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च, एरिया डोमिनेशन करने कहा। वहीं आम नागरिकों को शांतिपूर्ण वातावरण मिले, इसका ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। एसपी ने जिले के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात निगरानी दल को अपने दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने कहा एवं कर्तव्यों के निर्वहन में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। एसपी ने कहा सभी थाना प्रभारियों को अपने थाना क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों वाले असामजिक तत्व, गुंडा बदमाशों एवं आदतन अपराधियों पर नजर रखनी है। अगर कोई अनैतिक कार्यों में शामिल होना पाया जाता है, तो उस पर सतत वैधानिक कार्रवाई की जाए। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को भीड़ वाले क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग कर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने कहा गया। शहर के प्रत्येक चौक-चौराहों में स्थाई पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए गए। सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्रों में नाकाबंदी कर वाहनों की सतत जांच करने कहा गया है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की मौत,संजय पार्क के पास हुआ हादसा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर से लगे शंकरघाट के पास गुरुवार की सुबह कंटेनर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। बाइक सवार के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। हादसे के बाद अंबिकापुर-रामानुजगंज मुख्य मार्ग में जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार पंकज एक्का (32) अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 डीके 2386 में सवार होकर गुरुवार की सुबह शंकरघाट की ओर काम करने के लिए जा रहा था। इसी दौरान संजय पार्क के पास राजपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर क्रमांक सीजी 08 डब्लू 5566 की चपेट में वह आ गया। दुर्घटना का कारण प्रथम दृष्टि में मोटरसाइकिल सवार का गलत दिशा में जाना सामने आया है। हादसे में बाइक सवार पंकज एक्का के सिर में गंभीर चोटें आई थी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के बाद कंटेनर को छोडक़र चालक फरार हो गया। यातायात पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

मिलरों को विभिन्न मदों की राशि का तीन वर्ष से भुगतान नहीं,कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राइस मिलरों को विभिन्न मदों का भुगतान तीन वर्ष से नहीं किया गया है। ऐसे में मिलर बैंक गारंटी देने में असमर्थ हैं। सरगुजा राइस मिलर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष ने ऐसे में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में कस्टम मिलिंग के लिए मिलरों द्वारा अनुबंध पर संशय व्यक्त किया है।

सरगुजा कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में उक्ताशय का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में शासन की महत्वपूर्ण योजना धान खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। इस योजना में मिलरों का योगदान प्रमुख होता है। जिले के समस्त मिलर कस्टम मिलिंग हेतु तैयार हैं एवं पंजीयन भी करा रहे हैं परंतु शासन की नीति के तहत अनुबंध उपरांत धान उठाव हेतु बैंक गारंटी उन्हें देनी होती है। इसके लिए उन्हें 15 से 25 प्रतिशत की प्रतिभूति राशि बैंक को जमा करनी पड़ती है, इसके बाद बैंक की ओर से बैंक गारंटी जारी किया जाता है। एसोसिएशन के संरक्षक जगदीश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अध्यक्ष सुनील अग्रवाल सहित अन्य ने बताया है कि विगत तीन वर्षो से मिलरों को विभिन्न मदों का भुगतान मार्कफेड नहीं किया है। कलेक्टर से आग्रह किया गया है कि उन्हें शेष भुगतान कराया जाए ताकि वे बैंक गारंटी बनाकर अनुबंध का कार्य प्रारंभ कर सकें।

शांतिपूर्ण मतदान हेतु सीतापुर थाना क्षेत्र में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ लैग मार्च

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शांतिपूर्ण मतदान हेतु सीतापुर थाना क्षेत्र में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ लैग मार्च किया गया। जिला मुख्यालय के साथ ब्लॉक, थाना स्तर पर सुरक्षा बलों के द्वारा शांतिपूर्ण वातावरण हेतु लगातार भ्रमण किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र में कड़ी कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। लैग मार्च के दौरान आम नागरिकों को मतदान प्रक्रिया में शत-प्रतिशत भाग लेने जागरूक किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज अंकित गर्ग व पुलिस अधीक्षक सरगुजा सुनील शर्मा के निर्देशन में जिले में मतदान प्रक्रिया से पूर्व कड़ी कानून व्यवस्था बनाए रखने सभी थाना प्रभारियों को हिदायत दी गई है। लैग मार्च कर आम नागरिकों को शांतिपूर्ण वातावरण का एहसास दिलाने के उद्देश्य से लगातार पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में गुरूवार को सीतापुर थाना क्षेत्र में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ लैग मार्च कर पुलिस की प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुपलेश कुमार, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सीतापुर राजेंद मंडावी के नेतृत्व में थाना सीतापुर क्षेत्र में केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ निकाला गया लैग मार्च सीतापुर थाना से कान्हा पेट्रोल पंप होते शहीद भगत सिंह चौक पहुंचा। यहां से कदम चौक, बाजार डांड पहुंचकर लैग मार्च करते पुलिस टीम की वापसी थाना में हुई। पुलिस टीम ने लैग मार्च के माध्यम से आसामजिक तत्वों को किसी भी अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने की स्थिति में कड़ी कार्रवाई का संदेश दिया। बता दें कि सरगुजा पुलिस द्वारा मतदान प्रक्रिया से पूर्व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में स ती के साथ कार्रवाई की जा रही है। सभी थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान स्थाई पिकेट के माध्यम से की जा रही है। असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखकर निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनावी प्रक्रिया हेतु लगातार त्वरित कार्रवाई की जा रही है। लैग मार्च में थाना सीतापुर से उप निरीक्षक अखिलेश सिंह सहित काफी सं या में अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस जवान शामिल रहे।

वाहन चालक वाहन परमिशन कॉपी प्रस्तुत करने में असमर्थ, एसएसटी दल द्वारा की गई विधिवत कार्रवाई

- संवाददाता -
सूरजपुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

स्थैतिक निगरानी चेक पोस्ट अजब नगर थाना जयनगर जिला-सूरजपुर छ.ग. के मेन रोड पर एक वाहन की चेकिंग की गई, जिसके अंदर दो पार्टियों के हैण्डबिल, पापलेट, इत्यादि प्रचार सामग्री प्राप्त हुई। जब चालक से वाहन के परमिशन की कॉपी मांगी गई तो चालक वाहन की अनुमति की कॉपी प्रस्तुत करने में असमर्थ रहा। जिस पर स्थैतिक निगरानी दल द्वारा विधिवत कार्रवाई की गई।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

- संवाददाता -
सूरजपुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के दिशा निर्देशन में जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर गोविन्द नारायण जांगड़े के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल नवापारा, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल चाँदनी बिहारपुर, कम्प्यूटर कोचिंग सेंटर प्रेमनगर, प्राथमिक शाला कुंजनगर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विश्रामपुर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कौंसिल श्री अभिषेक भाई पटेल, पीएलव्ही सत्य नारायण सिंह, ब्रिजवासी सिंह, चिरंजीव, नितेश साहू, रोहित राजवाडे, सद्दाम हुसैन, कु. प्रियंका यादव, कु. कान्ती सिंह, राजिया खान शिविर में उपस्थित रहे।

डिफेंस कॉसिल अभिषेक भाई पटेल ने उपस्थित बच्चों को राष्ट्रीय विधिक साक्षरता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष नालसा के द्वारा 9 नवंबर को विधिक साक्षरता दिवस मनाने का संकल्प लिया हैं। जिसका उद्देश्य सभी व्यक्तियों को विधिक अधिकारों के बारे में अवगत कराना है एवं नालसा के योजनाओं को प्रत्येक जनमानस तक पहुंचाना है। आगे उन्होने बताया कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, सभी महिलाएं, बच्चे, वृद्धजन, श्रमिक वर्ग, विकलांग, बाढ़-सुखा से प्रभावित वर्ग, मानसिक रूप से कमजोर व्यक्ति एवं जेल में निरूद्ध बंदी निःशुल्क विधिक सेवा पाने के हकदार है। आगे उन्होने भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत सेल्फ डिफेंस से संबंधित प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानाकारी दी। वहीं अन्य शिविरों के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता, गुड-टच बैड टच, बाल विवाह एवं नालसा द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

बीती देर रात 2 बजे कलेक्टर-एसपी औचक निरीक्षण पर पहुंचे कालीघाट नाका

» मौजूद एसएसटी टीम से वाहन चेकिंग और कार्रवाई की ली जानकारी

» मतदान नजदीक,चौकन्ना रहकर लोगों और वाहनों की आवाजाही के पैटर्न पर नजर रखने के कड़े निर्देश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए जिले में फ्लाइंग स्क्वॉड और स्टेटिक सर्विलांस टीम सक्रिय है। टीमों की कार्यप्रणाली का औचक निरीक्षण करने बुधवार को देर रात 2 बजे के करीब कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा कालीघाट नाका में औचक निरीक्षण पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्टेटिक सर्विलांस टीम में ड्यूटीरत कर्मचारियों से वाहनों की आवाजाही, और चेकिंग की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस अब नजदीक है।

साथ ही त्योहारों सहित अब शादियों का सीजन भी शुरू हो चुका है। इस समय सघन जांच करना सबसे महत्वपूर्ण है। चौकन्ना रहें, लोगों के और वाहनों के आवागमन के पैटर्न को समझें। सूक्ष्म निगरानी रखकर जांच करें। जांच के दौरान इसका भी ध्यान रखें कि किसी सही व्यक्ति को किसी तरह की परेशानी ना हो।

आदर्श आचार संहिता के तारतम्य में वाहन चेकिंग की कार्यवाही एनडीपीएस, शराब, धन, कीमती सामान जो जिले के अंदर लाकर निर्वाचन को प्रभावित कर सकते हैं, उनकी निगरानी की जा रही है। इसके जरिए जिले के एंट्री और एक्जिट पॉइंट्स की निगरानी की जा रही है।

शासकीय विद्यालयों के छात्रों ने स्वीप रैली व रंगोली कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

-संवाददाता -
सूरजपुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला उप निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। जैसे- स्वीप रैली, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, भाषण, स्वीप-चित्रकला, स्वीप रंगोली, स्वीप पेंटिंग, स्वीप मेंहदी, मशाल रैली, आदि के द्वारा मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिले के विधानसभा क्षेत्र-प्रेमनगर (04) के शासकीय महाविद्यालय रामानुजनगर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवनगर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुमरिया, भटगांव (05) शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर, शासकीय नवीन महाविद्यालय चादंनी बिहारपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दर्रीपारा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चन्द्रमेंढा व प्रतापपुर (06) के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनगरा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़गवांकला एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जजावल के छात्र-छात्राओं द्वारा रैली, रंगोली, पेंटिंग, मेंहदी और दीवार लेखन के द्वारा मतदाताओं को मतदान दिवस 17 नवंबर को संबंधित मतदान केन्द्र में उपस्थित होकर मतदान करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। साथ ही एनसीसी, एनएसएस एवं स्काउट गाइड के बच्चों को मतदान दिवस के दिन मतदान केन्द्रों में मतदाताओं के सहयोग हेतु स्वयंसेवी के रूप में कार्य करने के लिये तैयार भी किया जा रहा है।

त्यौहारों के मद्देनजर पुलिस ने जारी की यातायात निर्देशिका

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में धनतेरस एवं दीपावली के दौरान यातायात के सुचारु संचालन हेतु यातायात निर्देशिका जारी किया गया है। इसमें शहर के भीतरी व्यस्ततम मार्गों में चार पाहिया एवं तीन पहिया वाहनों हेतु प्रतिबंधित मार्ग एवं पार्किंग स्थल का निर्धारण किया गया। ऐसे में आम नागरिक निर्धारित पार्किंग स्थल में अपने चार पाहिया, तीन पहिया वाहनों को खड़ी करके शहर के भीतरी मार्गों में प्रवेश करेंगे।

धनतेरस त्यौहार के मौके पर आज दस नवंबर को आम नागरिक भारी संख्या में खरीदी हेतु शहर में प्रवेश करेंगे। इस दौरान शहर के भीतरी एवं व्यस्ततम मार्गों में होने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने यातायात के सुचारू संचालन के लिए निर्देशिका जारी कर आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाने की पहल की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुपलेश कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, उप पुलिस अधीक्षक जयराम चेरमाको की टीम ने निनानुसार मार्ग व्यवस्था सुनिश्चित किया है। पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की है कि यातायात के नियमों का पालन करें। धनतेरस, दीपावली त्यौहार हेतु जारी यातायात निर्देशिका का पालन करें और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचें।

चार पहिया एवं तीन पहिया वाहन हेतु प्रतिबंधित मार्ग

देव होटल से महामाया चौक, अग्रसेन चौक से थाना चौक, ब्र ह मंदिर मोड़ से संगम चौक, थाना चौक से महामाया चौक व गुदरी चौक से संगम चौक की ओर चार पहिया, तीन पहिया वाहनों का आना-जाना प्रतिबंधित रहेगा।

निर्धारित किए गए पार्किंग स्थल

गांधी चौक से घड़ी चौक की ओर आने वाली वाहनों का पार्किंग कलाकेन्द्र मैदान व सरस्वती शिशु मंदिर के बगल में रोड के दोनों तरफ पार्किंग रहेगी। अग्रसेन चौक व नया बस स्टैंड से पूनम लॉज चौक की ओर आने वाली गाड़ी के लिए पुराना बस स्टैंड व अलखनन्दा टॉकीज मैदान में पार्किंग की व्यवस्था बनाई गई है। गुदरी चौक से गुरूनानक चौक की ओर आने वाली गाड़ी कोतवाली थाना के सामने रोड में दोनों तरफ पार्किंग की जाएगी। रामानुजगंज चौक की ओर से आने वाली गाड़ी पुलिस लाइन ग्राउंड, पेट्रोल पंप के बगल में व मल्टीपरपज स्कूल ग्राउंड में खड़ी की जानी है। इसी प्रकार अग्रसेन चौक से सदर रोड में आने वाली वाहन बरेज तलाब के बगल में व चिलम चौक से आने वाली गाड़ी सुदामा होटल के बगल रोड पर दोनों साइड पार्किंग की जाएगी।

पाकिस्तान ने देश में हो रहे हमलों के बीच अफगान तालिबान से बनाई दूरी

इस्लामाबाद,09नवम्बर 2023। पाकिस्तान में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं। ऐसे में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी समूह को निष्प्रभावी करने में काबुल की विफलता के बाद देश ने एक बड़ा फैसला लिया है। उसने नीतिगत बदलाव के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफगान तालिबान का समर्थन नहीं करने या उसे कोई अन्य सहायता नहीं देने का फैसला किया है।

नहीं देगा कोई विशेष सुविधा

एक रिपोर्ट के अनुसार, इस्लामाबाद अब अंतरिम अफगान तालिबान सरकार को कोई विशेष सुविधा नहीं देगा, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में गिरावट का संकेत देता है। टीटीपी, जिसका अफगान तालिबान के साथ वैचारिक संबंध है और जिसे पाकिस्तान तालिबान के रूप में भी जाना जाता है, को 2007 में कई आतंकवादी संगठनों के एक समूह के रूप में स्थापित किया गया था।

पाकिस्तान में इस्लाम के सख्त नियमों को लागू...

समूह को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य पूरे पाकिस्तान में इस्लाम के अपने सख्त नियमों को लागू करना था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि सत्ता में आने के बाद अफगान तालिबान टीटीपी के गुर्गों को निष्कासित करके पाकिस्तान के खिलाफ अपनी धरती का इस्तेमाल बंद कर देगा, लेकिन उन्होंने इस्लामाबाद के साथ संबंधों को तनावपूर्ण करने की कीमत पर ऐसा करने से इनकार कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने की संभावना कम

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की नीति में हुए बदलाव से एक बात तो साफ है कि अफगान तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिलने की संभावना पहले से भी कहीं अधिक कम हो गई है।

साल 2021 में हुई थी तालिबान की वापसी

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि अगस्त 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद, पाकिस्तान इसके मुख्य समर्थक के रूप में उभरा था, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदायों विशेष रूप से पश्चिमी देशों से काबुल में नए शासकों के साथ जुड़े रहने का आग्रह किया था।

अफगान की मदद करने पर होती रही है आलोचना

अफगान अंतरिम सरकार के प्रवक्ता के रूप में कार्य करने की पाकिस्तान की नीति की अक्सर देश के भीतर और बाहर कड़ी आलोचना होती रही है। हालांकि, अधिकारियों ने इसका बचाव करते हुए कहा कि अफगान तालिबान के साथ काम करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था।

अब खुद हो रहा परेशान

पहले पाकिस्तान ने अफगान सरकार को सुविधाजनक बनाने के लिए व्यापार और अन्य कई सुविधाएं दीं। हालांकि, अब सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान अब अफगान तालिबान सरकार को कोई विशेष लाभ नहीं देगा क्योंकि वे हमारे दुश्मनों को शरण दे रहे हैं।

लंदन की सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन,ब्रिटेन की गृह सचिव ब्रेवरमैन और मेट पुलिस के बीच वाकयुद्ध

लंदन,09 नवम्बर 2023। इस्राइली सेना गाजा पट्टी में लगातार कार्रवाई कर रही है। बीते एक महीने से अधिक समय से जारी युद्ध के बीच हमास के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। अब तक 11 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। विरोध प्रदर्शन की तपिश ब्रिटेन में भी महसूस की जा रही है। लंदन की सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन के बीच ब्रिटेन की गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन और मेट्रोपॉलिटन पुलिस के बीच जुबानी जंग की खबरें सामने आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेवरमैन के हवाले से गुरुवार को एक अखबार में सख्त लेख प्रकाशित हुआ। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के साथ वाकयुद्ध को लेकर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेवरमैन ने पुलिस पर लंदन की सड़कों पर नफरत मार्च करने वालों से सख्ती से नहीं निपटने का आरोप लगाया। बता दें कि इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच लंदन में फलस्तीनी नागरिकों की मौत और गाजा में मानवीय संकट को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ब्रिटेन में हेट क्राइम की भी कई घटनाएं सामने आई हैं।

देश के सबसे बड़े पुलिस बल- मेट्रोपॉलिटन पुलिस पर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों की कुछ कार्रवाइयों को नजरअंदाज करने के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक विरोध प्रदर्शन के दौरान आक्रामकता से निपटने में दोहरे मानक अपनाने का आरोप भी लगाया गया है। इसके लिए भारतीय मूल की कैबिनेट मंत्री की विपक्षी नेताओं ने कड़ी आलोचना की है।

पुलिस को दी गई चेतावनी में ब्रेवरमैन ने कहा कि यदि इस सप्ताह के अंत में एक योजनाबद्ध फलस्तीन समर्थक विरोध मार्च आगे बढ़ता है,तो ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों से नफरत से भरे किसी भी प्रदर्शन के प्रति सख्ती दिखाने के साथ-साथ सक्रिय दृष्टिकोण की उम्मीद भी की जाएगी। ब्रेवरमैन ने द टाइम्स अखबार में लिखा, लंदन में ब्रिटेन के यहूदी समुदाय की सम्मानजनक चौकसी की गई है,लेकिन इसने सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की हमारी क्षमता का परीक्षण नहीं किया है।

उन्होंने कहा, यह फलस्तीन समर्थक आंदोलन है जिसमें हर सप्ताहांत हजारों गुस्साए प्रदर्शनकारी इकट्ठा हो रहे हैं। उन्होंने लंदन में मार्च किया है। शुरू से ही विरोध प्रदर्शन समस्याग्रस्त रहे हैं। न केवल आसपास की हिंसा के कारण बल्कि अत्यधिक आक्रामक सामग्री के कारण हालात खराब होने का खतरा है। गृह सचिव ब्रेवरमैन के अनुसार, भड़काऊ नारेबाजी, पोस्टर और स्टिकर को देखते हुए कहा जा सकता है कि ये समय भोलेपन का नहीं है, पुलिस को सख्ती दिखानी होगी।

ब्रेवरमैन के मुताबिक, हमने अपनी आंखों से देखा है कि आतंकवादियों का महिमामंडन किया गया है। इस्राइल को नाजियों के रूप में अपमानित किया गया है और यहूदियों को और अधिक नरसंहार की धमकी दी गई है। उन्होंने कहा, वे नहीं मानतीं कि लंदन में हो रहे मार्च केवल गाजा के लिए मदद की गुहार के लिए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरी आयरलैंड के इस्लामवादी समूह भी विरोध-प्रदर्शन में सक्रिय हैं।

गाजा पट्टी में संघर्ष विराम की मांग को लेकर न्यूयॉर्क में प्रदर्शन

न्यूयॉर्क,09 नवंबर 2023। अमेरिका के न्यूयॉर्क में सैकड़ों प्रदर्शनकारी फिलिस्तीनी झंडे लेकर सड़कों पर उतरे और गाजा में युद्धविराम की जोरदार मांग की। इस प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी फिलिस्तीन को आजाद करो', अभी संघर्ष विराम करो' और नरसंहार बंद करो' के नारे लगा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्ट ले रखा था, जिस पर नेतन्याहू और बिडेन युद्ध अपराधी' और इजरायल एक आतंकवादी देश है, जो खुले तौर पर नरसंहार कर रहा है' लिखा हुआ था। विरोध प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय की इमारत से होकर गुजरा और फिर 42वीं स्ट्रीट के साथ डाउनटाउन मैनहट्टन की ओर मुड़ गया। इस दौरान पुलिसकर्मी मौजूद थे, लेकिन किसी झड़प या गिरफ्तारी की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि संरा के अनुसार, इजरायल-हमास संघर्ष के कारण में 10,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह संघर्ष 7 अक्टूबर को हमास की ओर से इजरायल में हमला करने के बाद शुरू हुआ था। हमास की ओर से किए गए हमले में 1,400 लोग मारे गए थे।इसके बाद इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किए और 20 लाख की आबादी वाले गाजा पट्टी की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश देते हुए पानी, भोजन और ईंधन की आपूर्ति काट दी।

सुविधा केंद्र में डाक मतपत्र से मतदान कर्मियों ने किया मताधिकार का उपयोग

\- संवाददाता -
सूरजपुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिले से संबंधित पात्र मतदान कर्मियों का द्वितीय प्रशिक्षण स्थल में ही डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान सुविधा केंद्र में कराया गया। जिसके अंतर्गत प्रेमनगर (04) , भटगांव (05) व प्रतापपुर (06) के लोगों ने डाक मतपत्र के माध्यम से आज द्वितीय दिवस के दिन अपने मताधिकार का उपयोग किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 08 नवंबर की स्थिति में 855 मताधिकार का उपयोग किया गया था। मतदान कर्मियों को डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराए जाने के लिये विधानसभा क्षेत्र भटगांव(05) व प्रतापपुर(06) में शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर (08, 09 व 10 नवंबर तक), विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर (04) व प्रतापपुर(06) में शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय सूरजपुर (08,09 व 10 नवंबर तक), विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर(04) व भटगांव(05) के लिये शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर(08 व 09 नवंबर) सुविधा केंद्र जिला मुख्यालय में बनाया गया है।

मतदाताओं को जागरूक करने मिनी मैराथन दौड़ का किया गया आयोजन

» **शत-प्रतिशत मतदान हेतु जनजागरूकता फैलाने के साथ सभी ने ली मतदान की शपथ**

\- संवाददाता -
अम्बिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप के नोडल अधिकारी नूतन कुमार कंवर के नेतृत्व जिले विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरुकता कार्यक्रम चलाकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत गुरुवार को मल्टीपरपज स्कूल अम्बिकापुर से गांधी स्टेडियम तक मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मिनी मैराथन दौड़ को सीईओ जिला पंचायत श्री कंवर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मिनी मैराथन दौड़ मल्टीपरपज स्कूल ग्राउंड से शुरू होकर गुदरी चौक, जलपद कार्यालय रोड, मिशन हॉस्पिटल रोड, साक्षरता मार्ग, चर्च के सामने चौक, जोड़ा पीपल, चौपाटी, आकाशवाणी चौक से होते हुए गांधी स्टेडियम में समाप्त हुई। दौड़ में बड़ी संख्या में महाविद्यालय एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अधिकारी-कर्मचारी सहित आमजनों ने हिस्सा लिया।

श्री कंवर ने सभी को मतदान करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि 17 नवम्बर मतदान दिवस के दिन आप सभी निर्धारित मतदान केंद्र में जाएं और अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि युवा मतदाता जिन्हें पहली बार मतदान करने का मौका मिल रहा है, वे अपने परिजनों को भी दिन मतदान करने हेतु प्रेरित करें। उन्होंने इस दौरान शत- प्रतिशत मतदान करने की अपील की तथा सभी को मतदाता शपथ दिलवाया।

ये रहे मिनी मैराथन दौड़ के विजेता

स्वीप के सहायक नोडल अधिकारी गिरीश गुप्ता ने जानकारी देते हुये बताया कि यह मिनी मैराथन दौड़ दो वर्गों में आयोजित किया गया था, जिसमें 10 से 45 वर्ष एवं 45 से 70 वर्ष के महिला एवं पुरूष ने भाग लिया, जिसमें 45 वर्ष से कम उम्र की महिला वर्ग में सरस्वती सिंह प्रथम, यशोदा राजवाडे द्वितीय एवं गायत्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 45 वर्ष से ऊपर की महिला वर्ग में इंद्रवती कुमारी राजवाडे प्रथम, लीलावती मुंडा द्वितीय, अनिता विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में पुरूष वर्ग में 45 वर्ष से नीचे कृष्णा मरावी ने प्रथम, बनारसी ने द्वितीय एवं अश्लेष कुमार राजवाडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 45 वर्ष से ऊपर वर्ग में सुनिल प्रसाद गुप्ता प्रथम, राधेश्याम राजवाडे द्वितीय व राजेश प्रसाद सिन्हा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, साथ ही 0 से 12 वर्ष बालक वर्ग में तीर्थ राज कुशवाहा ने प्रथम, गुलशन पैकरा ने द्वितीय एवं आशीष पैकरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, 0 से 12 बालिका वर्ग में रीतिका ने प्रथम, दुर्गा ने द्वितीय एवं काजल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिसमें प्रथम पुरस्कार 2101 रू., द्वितीय पुरस्कार 1101 रू., तृतीय पुरस्कार 501 रू. एवं 10 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 101 रू. प्रदान किया गया।

बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग कर लोकतंत्र के महापर्व में लिया हिस्सा

» **निर्वाचन आयोग की पहल रही बेहद सुविधाजनक,100 वर्षीय बुजुर्ग धुमरी बाई और निःशक्त कुदरत अली ने सहयोगी मतदाता के जरिए दिया वोट**

» **दिव्यांग पंकज ने मतदान दल के घर आने पर जाहिर की खुशी, सबसे कम उम्र के वोटर रहे 26 वर्ष के सिलास, होम वोटिंग के तहत दिया अपना अमूल्य वोट**

» **एक वोटर के लिए दुर्गम पहाड़ी रास्तों पर लगभग 5 किमी चलकर मतदान दल पहुंचा मतदाता के घर**

» **भारत निर्वाचन आयोग को बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने दिया धन्यवाद**

\- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत पहली बार होम वोटिंग की शुरुआत की गई है, जिसमें दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं को वोट डलवाने के लिए मतदान दल के सदस्य घर तक पहुंच रहे है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शारीरिक रूप से असक्षम मतदाताओं को यह सुविधा दी गई है। जिले में गुरुवार को मतदान कराने का काम शुरू हो गया है, सुबह मत पेटियों एवं बैलेट पेपर लेकर जिला कलेक्टरेट से कुल 20 मतदान दल रवाना हुए। दुर्गम रास्तों को पार कर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं तक पहुंचकर वोट डलवाए गए। इसके साथ ही भटगांव विधानसभा अंतर्गत भी एक दल के जरिए जिले के 2 मतदाताओं को होम वोटिंग कराई गई है।

जिले के तीनों विधानसभा में कुल 172 बुजुर्गों और दिव्यांगों ने घर से वोट डालने हेतु आवेदन भरा था। उसके बाद आज विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग मतदान दल इन बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के घर पहुंचे और पोस्टल बैलेट के जरिए वोट डलवाया, वहीं घर पर मतदान के दौरान गोपनीयता और सुरक्षा का खास ख्याल भी रखा गया। मतदान के लिए बकायदा वोटिंग कंपार्टमेंट बनाया गया था। वोट डालने में असमर्थ मतदाताओं के लिए परिवार के किसी सदस्य को सहयोगी के रूप में वचनपत्र भरकर वोट डलवाने में मदद करवाया गया। निर्वाचन आयोग की इस पहल से मतदाताओं में भरपूर उत्साह दिखा, मतदाताओं तथा उनके परिवार जनों ने इस हेतु आयोग की तारीफ की और इस सुविधा के लिए धन्यवाद दिया।

निर्वाचन आयोग की पहल रही बेहद सुविधाजनक, 100 वर्षीय बुजुर्ग धुमरी बाई और निशक्त कुदरत अली ने सहयोगी मतदाता के जरिए दिया वोट

होम वोटिंग में सबसे अधिक उम्र की मतदाता अम्बिकापुर विधानसभा से जोगीबांध रामपुर की 100 वर्षीय धुमरी बाई रही। होम वोटिंग कराए जाने पर उनके परिवार ने काफी खुशी जताई। चलने-फिरने में असमर्थ अंबिकापुर, मोमिनपुरा के 85 वर्षीय बुजुर्ग कुदरत अली खान ने अपने पुत्र श्री मुसर्रत अली के सहयोग से मत डाला। श्री अली ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की इस पहल से उनके पिता को इस अवस्था में भी देश के मजबूत लोकतंत्र के लिए भूमिका निभाने में आसानी हुई, उन्होंने इस सुविधा पर खुशी जाहिर की।

दिव्यांगजनों ने कहा इस सुविधा से मतदान केंद्र तक आवागमन की दुविधा हुई दूर

इसी तरह सबसे कम उम्र के वोटर सीतापुर विधानसभा से 26 वर्षीय दिव्यांग मतदाता सिलास खलखो हैं। दिव्यांग मतदाता धर्मेंद्र ने इस सुविधा पर बेहद खुशी जताई। उन्होंने कहा कि घर में मतदान की सुविधा मिलने से मताधिकार का उपयोग कर पाने में सहूलियत मिली।

होम वोटिंग की सुविधा मिलने से मतदाता अमित कुमार राजवाड़े काफी उत्साहित हैं, 2014 से व्हीलचेयर पर हैं। अमित बताते हैं पहले वोट डालने जाने में काफी दिक्कत होती थी, पर अब निर्वाचन आयोग द्वारा घर पर मतदान की सुविधा ने इस परेशानी को दूर कर दिया है।

अस्थिबाधित 48 वर्षीय दिव्यांग मतदाता पंकज गुप्ता होम वोटिंग की सुविधा हेतु भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को धन्यवाद करते हैं।

एक वोटर के लिए दुर्गम पहाड़ी रास्तों पर लगभग 5 किमी चलकर मतदान दल पहुंचा मतदाता के घर,भारत निर्वाचन आयोग को बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने दिया धन्यवाद

दुर्गम रास्तों पर चलकर मतदान दल दूरस्थ गांवों में होम वोटिंग के तहत डाक मतपत्र से मतदान कराने पहुंचे। होम वोटिंग में जिले के मतदान दलों ने बेहद उत्साह से अपनी भूमिका निभाई जिसका उदाहरण है कि लुण्ड्रा विधानसभा के अंतर्गत ग्राम बरौली की 81 वर्षीय मतदाता सुकनी को होम वोटिंग कराने मतदान दल 5 किमी पहाड़ी रास्ते पर चढ़कर मतदान कराने पहुंचा और सफलतापूर्वक अपने कर्तव्य का निर्वहन किया। इस तरह निर्वाचन आयोग की पहल पर होम वोटिंग के माध्यम से ऐसे मतदाताओं को बेहद सहूलियत हुई है। अब इन पोस्टल बैलेट पेपर के माध्यम से हुए वोटिंग की गणना भी 3 दिसंबर को मतगणना दिवस पर होगी।

भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के निर्देशों के अनुरूप जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई होम वोटिंग की सुविधा पर मतदान दलों ने मतदाताओं से उनका अनुभव जाना, जहां मतदाताओं ने उत्साह जाहिर कर बताया कि यह सुविधा बहुत अच्छी है। पहले असमर्थता के कारण मतदान केंद्र तक जाकर वोट करने में सोचना पड़ता था, पर अब इस सुविधा से हमें अपने मताधिकार का उपयोग करने में आसानी हुई है।

बैकुंठपुर विधानसभा के दो दिग्गज कांग्रेसी अब अलग-अलग विधानसभा में जाकर करेंगे पार्टी की जीत के लिए काम

क्या फिर कोरिया के दो दिग्गज कांग्रेसियों को पकड़ाया गया झुनझुना?

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,09 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले या यह कहें बैकुंठपुर विधानसभा के दो दिग्गज कांग्रेसियों को प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने फिर झुनझुना पकड़ा दिया है,दोनो दिग्गज बैकुंठपुर विधानसभा से कांग्रेस पार्टी के प्रबल दावेदार थे और उन्हे प्रत्याशी तो नहीं बनाया गया लेकिन उन्हे अलग अलग विधानसभाओं की जिम्मेदारी देकर फिलहाल उनके विधानसभा से पार्टी ने विदा कर दिया और अब वह अलग अलग विधानसभाओं में जाकर पार्टी प्रत्याशी की जीत के लिए काम करेंगे। जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी सहित रनई जमींदार योगेश शुक्ला जो कद्दावर कांग्रेसी नेता हैं जिनका बैकुंठपुर विधानसभा में अच्छा खासा जनाधार है इन दोनो को विधानसभा चुनाव संपन्न होने तक अलग अलग विधानसभा का पर्वेक्षक पार्टी ने बनाया है। वेदांती तिवारी जहां भरतपुर सोनहत विधानसभा की जिम्मेदारी संभालेंगे वहीं योगेश शुक्ला को मनेंद्रगढ़ का परवेक्षक पार्टी ने बनाया है।

माना जा रहा है की दोनो चूंकि दावेदार थे टिकट के और दोनो पार्टी से कहीं न कहीं नाराज थे क्योंकि पार्टी ने उन्हे दावेदार नहीं बनाया इसलिए दोनो की बैकुंठपुर विधानसभा से विदाई की गई है जिससे वह पार्टी प्रत्याशी के विरुद्ध जाकर काम न कर सकें वहीं ऐसा भी माना जा रहा है की हो सकता है की पार्टी की प्रत्याशी के कहने पर दोनो को अन्य विधानसभा की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि दोनो प्रत्याशी को नुकसान न पहुंचा पाएं यह प्रत्याशी की मंशा रही होगी।वैसे इसी तरह पार्टी ने मनेंद्रगढ़ के वर्तमान विधायक को भी रायपुर भेज दिया है वहां भी पार्टी को नुकसान का अंदेशा था या यह कहें प्रत्याशी को नुकसान का अंदेशा था जिसके कारण उन्हें विधानसभा से ही बाहर भेज दिया गया। कोरिया जिले के दो कद्दावर कांग्रेस नेताओं को लेकर भी ऐसा ही माना जा रहा है की उन्हे भी प्रत्याशी या संगठन के शीर्ष नेताओं के कहने पर ही विधानसभा से बाहर भेजा गया है। वैसे जिन नेताओं को कोरिया से अन्य विधानसभाओं के लिए परवेक्षक बनाया गया है दोनो का अब बैकुंठपुर विधानसभा के कांग्रेसी मंचों पर नहीं दिखना क्षेत्र की जनता को कहीं न कहीं खलेगा जरूर वहीं उनके समर्थकों को भी इस बात का मलाल होगा उन्हे भी मंचों पर उनकी अनुपस्थिति से ऐसा लगेगा जैसे वह नेतृत्व विहीन हो गए हैं।

नई टीम के भरोसे पर चल रही कांग्रेस प्रत्याशी बैकुंठपुर के लिए यह चुनाव कैसा परिणाम देता है?

बैकुंठपुर में अब कुल मिलाकर नए जिलाध्यक्ष पुराने जिलाध्यक्ष सहित जोगी कांग्रेस से शामिल हुए नए नए नेता कांग्रेस मंच की शोभा होंगे और पूरा चुनाव संचालन उन्ही के जिम्मे होगा। वैसे कांग्रेस प्रत्याशी फिलहाल सबसे ज्यादा विश्वास इन्हीं लोगों पर कर पा रही हैं ऐसी भी खबरें समाने आ रही हैं। जोगी कांग्रेस से कांग्रेस में शामिल हुए लोग फिलहाल चुनाव संचालन में अग्रणी भूमिका में हैं वहीं पार्टी के पुराने कार्यकर्ता लगभग किनारे हैं अपनी रोजी रोटी के कामों में लगे हुए हैं। अब देखना है की नई टीम के भरोसे पर चल रही कांग्रेस प्रत्याशी बैकुंठपुर के लिए यह चुनाव कैसा परिणाम देता है। कांग्रेस प्रत्याशी खुद भी काफ़ी मेहनत करती नजर आ रही हैं सुबह से देर रात तक उनका जनसंपर्क जारी है। पारा मोहल्ला टोला कोई जगह जाना वह नहीं छोड़ रही हैं और हर कोशिश में लगी हुई हैं जिससे वह अपनी जीत सुनिश्चित कर सकें।

क्या असंतुष्ट कांग्रेसियों को कांग्रेस ने अलग अलग ठिकाना दिया?

वैसे बैकुंठपुर विधानसभा के लिए भी परवेक्षक की नियुक्ति की गई है जिसमे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केशरवानी को बैकुंठपुर विधानसभा की जिम्मेदारी दी गई है। राजकुमार केशरवानी खुद मनेंद्रगढ़ से दावेदार थे उनकी भी दावेदारी अस्वीकार हुई है इसलिए उन्हे भी मलाल है। कुल मिलाकर देखा जाए तो असंतुष्ट कांग्रेसियों को कांग्रेस अलग अलग ठिकाना देती नजर आ रही है जिससे वह कोई नुकसान न पहुंचा सकें। वैसे कद्दावर नेताओं को खासकर टिकट के दावेदार रहे नेताओं को ही पार्टी अधिकांश जगह परवेक्षक बना रही है और इसके पीछे की मंशा साफ नजर आ रही है की उन्हे उनके विधानसभा से दूर रखना है। अब देखना है की कांग्रेस को इसका कितना फायदा मिल पाता है क्योंकि कांग्रेस के लिए यह चुनाव मुश्किलों वाला साबित हो रहा है एक तरफ भाजपा मजबूती से खड़ी नजर आ रही है वहीं प्रचार अभियान के बीच में कांग्रेस परवेक्षक नियुक्त कर रही है जिससे साफ जाहिर है मामला डैमेज कंट्रोल से जुड़ा हुआ है।

प्रत्याशियों को मिल सकता है इन नेताओं का फायदा

वैसे वेदांती तिवारी का फायदा जहां भरतपुर सोनहत क्षेत्र के प्रत्याशी को मिलेगा क्योंकि जिला पंचायत उपाध्यक्ष होने के नाते वह खुद को वहां के लोगों के सामने अपना बता सकेंगे वहीं योगेश शुक्ला जो मंच पर एक कुशल और ओजस्वी वक्ता माने जाते हैं जिनका फायदा भी मनेंद्रगढ़ कांग्रेस प्रत्याशी को मिलेगा क्योंकि वह योजनाओं और कांग्रेस की नीतियों के बखान के लिए बेहतर वक्ता माने जाते हैं जिन्हे जनता सुनना पसंद करती है। बैकुंठपुर के मंचो पर अब दो अच्छे कांग्रेसी वक्ता नहीं नजर आयेंगे इसका पार्टी को फायदा होगा या नुकसान यह आने वाला परिणाम बताएगा लेकिन दोनो की रवानगी पार्टी ने तय कर दी है।

मनेन्द्रगढ़ विधायक प्रत्याशी ने मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए जारी किया सेवक का वचन पत्र,कितना होगा पूरा समय की बात

क्या बीजेपी प्रत्याशी का वचन पत्र मतदाताओं को अपनी तरफ आकर्षित कर पाएगा?

-रवि सिंह-
मनेंद्रगढ़,09 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ विधानसभा में विधासनभा चुनाव का प्रचार अपने चरम पर है एक तरफ अपने अलग अंदाज में लोगों के बीच भाजपा प्रत्याशी पहुंच रहे हैं जो लोगों से खुलकर मिल रहे हैं सभी को साथ लेकर पार्टी के चल रहे हैं वहीं खुद भी ज्यादा से ज्यादा मेहनत कर रहे हैं वर्तमान सरकार की अनुपलब्धियों की बात कर रहे हैं वहीं कांग्रेस प्रत्याशी सरकार की योजनाओं और कार्यकर्ताओं के भरोसे चुनावी मैदान में हैं। कांग्रेस प्रत्याशी बनाम भाजपा प्रत्याशी की बात की जाए तो प्रचार में भाजपा प्रत्याशी अव्वल नजर आ रहे हैं वहीं कांग्रेस प्रत्याशी ऐसे लोगों से भी घिरे हुए हैं जो पांच साल मनेंद्रगढ़ के ही कांग्रेस विधायक की असफलता उनकी करनी जनता के सामने रखते चले आ रहे थे और कुल मिलाकर कहीं न कहीं कांग्रेस पार्टी की ही बुराई विधानसभा के करते चले आ रहे थे। अब वह वर्तमान प्रत्याशी के स्टार प्रचारक बनकर प्रचार कर रहे हैं और लोगों को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं,यहां कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर यह भी सवाल उठ रहा है की जिन्होंने पांच साल कांग्रेस विधायक का ही विरोध किया अब वही उनके सबसे अग्रणी पंक्ति के समर्थक हैं वहीं वह जनता को यह विश्वास कैसे दिलाएंगे की नए प्रत्याशी पुराने जैसे नहीं होंगे क्योंकि पार्टी वही है जिसकी वह बुराई करते चले आ रहे थे।

वैसे कांग्रेस का संगठन फिलहाल एकजुट है जो वर्तमान विधायक के कार्यकाल में कांग्रेस की बी टीम थी जिसका फायदा मिल सकता है प्रत्याशी को,वैसे वर्तमान विधायक के अधिकांश समर्थक भाजपा के साथ चले गए हैं यह एक दिक्कत कांग्रेस प्रत्याशी के लिए जरूर है,कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर चिरमिरी के एक हवा यह भी है की वह एस ई सी एल के अधिवक्ता पैनल के सदस्य थे और उन्होंने चिरमिरी के विकास में कई अवरोध लगाए जो उनके लिए एक मुसीबत का सबब बन सकता है वैसे एक अधिवक्ता सहित एक बड़े नाम के अलावा उनके पास जन संपर्क मामले में उपलब्धि बिलकुल नहीं हैं । भाजपा में भी असंतुष्ट लोगों की संख्या अधिक थी लेकिन भाजपा प्रत्याशी ने कुछ को साध लिया है जो नुकसान पहुंचा सकते थे वहीं कुछ ऐसे हैं जिन्हें वह साधने में लगे हुए हैं।वैसे भाजपा प्रत्याशी को लेकर सबसे अच्छी बात यह मानी जा रही है की वह सरल सहज मिलनसार हैं उनसे मिलने में कतार और कोई दीवार सामने नहीं होती सीधा संपर्क उनसे लोग कर पाते हैं जो उनके लिए फायदेमंद माना जा रहा है,वैसे वर्तमान विधायक और भाजपा प्रत्याशी को लेकर एक बात कही जाती है की वह किसी सार्वजनिक कार्यक्रम सामाजिक कार्यक्रम में वीआईपी कल्चर का इस्तेमाल नहीं करते देखे जाते वह आम लोगों के साथ लाइन लगकर खाना खाते शादी पार्टियों में भी नजर आ जाते थे हैं जो उनकी सरलता सहजता बताती है जो अन्य में कम देखी जाती है। भाजपा प्रत्याशी ने प्रचार का अपना क्रम जारी रखे हुआ है और वह अब एक संकल्प पत्र लोगों के सामने लेकर आए हैं जिनमें उन्होंने कुछ व्यक्तिगत घोषणाएं की हैं। अब देखना है की जनता उनकी घोषणाओं पर कितना विश्वास करती है, वैसे फिलहाल चिरमिरी में जिला मुख्यालय का मामला ठंडा नहीं हुआ है जिसका लाभ उन्हे मिलने की पूरी संभावना है।

संकल्प पत्र मैं श्याम बिहारी जायसवाल क्षेत्र के समस्त परिवारजनों को वचन देता हूं कि...

1. क्षेत्र के स्थायित्व के लिए अति-महत्वपूर्ण नागपुर हाल्ट से चिरमिरी पाराडोल रेल मार्ग के कार्य को 6 माह के अंदर प्रारंभ करवाना एवं चिरमिरी में सुसज्जित रेलवे स्टेशन प्रदान करना प्राथमिकता होगी जो वह करके दिखाएंगे।
2. चिरमिरी-मनेन्द्रगढ़ को जोडने वाली साजा पहाड सड़क के बचे हुए हिस्से का चौडीकरण सहित संधारण कार्य प्रारंभ करवाना उनकी घोषणा है।
3. चिरमिरी-बरवाडीह रेल मार्ग का काम यथा शीघ्र प्रारंभ करवाना वह ऐसा करके रेल सुविधा का क्षेत्र में विस्तार करेंगे साथ ही चिरमिरी को एक तरह से अन्य शहरों से जोड़ने का काम करेंगे।
4. चिरमिरी क्षेत्र के बंद होती खदानों को नव संजीवनी प्रदान करने का प्रण उन्होंने लिया है।
5. एसईसीएल की चिरमिरी ओपन कास्ट, रानी अटारी अंडर ग्राउंड, विजय वेस्ट अंडर ग्राउंड, एनसीपीएच अंडर ग्राउंड एवं कुरासिया अंडर ग्राउंड खदान का विस्तारीकरण करवाना उनकी प्राथमिकता होगी।
6. चिरमिरी क्षेत्र की बंद पड़ी खदान अंजनी हिल्स व बरतुंगा हिल्स को आउटसोर्सिंग प्रक्रिया के माध्यम से पुन: प्रारंभ करने के साथ ही रोजगार के अवसर और क्षेत्र को स्थायित्व प्रदान करना उनका संकल्प होगा।
7. वल्ड बैंक के माध्यम से नार्थ चिरमिरी कॉलरी व वेस्ट चिरमिरी कॉलरी में उद्योग स्थापित करवाना,यह भी उनकी घोषणा है।
8. मेडिकल कालेज का काम शीघ्र प्रारंभ करवाने के साथ ही स्वास्थ्य के लिए उच्चस्तरीय व्यवस्था की जाएगी।
9. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत क्षेत्र के शहरी एवं ग्रामीण सभी गरीबो के लिए आवास सुनिश्चित किया जाएगा।
10. चिरमिरी/मनेन्द्रगढ़ में सर्वसुविधा युक्त 100 बिस्तर अस्पताल विषेषज्ञ चिकित्सकों सहित उपलब्ध करवाना।
11. परसगढ़ी औद्योगिक क्षेत्र में 200 कुटीर, लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना करवाने के साथ ही 10 हजार रोजगार का अवसर प्रदान करना। जिसमें स्थानीय बेरोजगारों को अवसर मिलेगा।
12. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के हर घर में नल जल योजना को पहुचाया जाएगा।
13. वृद्ध माता-पिता एवं विधवा पेंशन जिनका चालू नहीं हुआ या जिनका बंद हो गया है, सभी को इसका लाभ दिलवाया जाएगा।
14. उच्च शिक्षा, तकनिकी शिक्षा के लिए नए संस्थान खोले जायेंगे। साथ ही वर्तमान में संचालित स्कूलो-कालेजो का उन्नयन कर उन्हें मॉडल संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा।
15. चिरमिरी/मनेन्द्रगढ़ को धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने का काम किया जायेगा।
16. गाँव-शहर की सड़को में घुमने वाले आवारा पशुओ के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्था की जाएगी।
17. किसानो को केंद्र सरकार की प्रत्येक महत्वपूर्ण योजनाओ का लाभ दिलवाने के लिए प्रत्येक माह शिविर लगाए जायेंगे।
18. मनेन्द्रगढ़ में राजस्व संबधी मामलों का निराकरण कर शीघ्र पट्टा वितरण किया जाएगा।
19. खड़गवां विकासखंड में राष्ट्रीयकृत बैंक भारतीय स्टेट बैंक SBI एवं बैंक ऑफ इंडिया BOI की शाखा खुलवाया जायेगा।
20. विधानसभा स्तर पर स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा।
21. हसदेव और हसिया नदी पर जल निकासी के लिए ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाएगा।
22. प्रत्येक ग्राम पंचायत में वृद्धजनों हेतु चौपाल शेड निर्माण।
23. प्रत्येक ग्राम पंचायत में यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण।
24. केंवची से नागपुर (व्हाया देवाडांड-खड़गवां-चिरमिरी) तक सर्वे हो कर लंबित राष्ट्रीय राज्यमार्ग के निर्माण करवाना।
25. खड़गवां क्षेत्र के विभिन्न स्वीकृत जलाशयों के नहर लाईनिंग का कार्य प्रारंभ करवाना।
26. चिरमिरी के सभी वार्डो में सीएसपीडीसीएल की लाईट की व्यवस्था प्रदान करवाना।
27. एसईसीएल में कार्यरत श्रमिकों के मात्रात्मक त्रुटी की वजह से ग्रेच्युटी और अन्य भुगतानों में आ रही दिक्कतों का एसईसीएल से चर्चा कर निराकरण किया जावेगा।
28. चिरमिरी जलाशय में आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए उसे पर्यटन के रूप में विकासित करने का कार्य किया जायेगा।
29. क्षेत्र में शासकीय बीएड-डीएड एवं शासकीय लॉ कालेज की स्थापना करवाया जायेगा।
30. मनेन्द्रगढ़ में अंतरराज्यीय सुव्यस्थित हाई टेक बस स्टैंण्ड की सुविधा प्रदान करवाना।
31. मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी में ब्लड बैंक की स्थापना करवाना।
32. विधानसभा क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना करवाना।
33. शिक्षा एण्प कक्षा केजी से लेकर स्नातक सहित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क सुविधा प्रदान करवाना।
34. खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन करवाना।

बैकुंठपुर से विधायक की दौड़ से बाहर हुए

एक नेता अपनी ही पार्टी की कब्र खोदने क्यों में जुटे हुए हैं?

भाजपा के दो प्रत्याशियों के बीच दरार भी पैदा कर दी है

-रवि सिंह-
एमसीबी/ बैकुण्ठपुर,09 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी की दौड़ में शामिल रहे एक नेता आजकल अपनी ही पार्टी की कब्र खोदने में लगे हुए हैं वहीं वह भाजपा के दो अलग अलग विधानसभाओं के प्रत्याशियों के बीच दरार पैदा करने का भी काम कर रहे हैं।

बता दें की यह नेता भाजपा के बैकुंठपुर विधानसभा प्रत्याशी की कई पुरानी विडियो और उनके बयानों को अलग अलग लोगों से सोशल मीडिया में पोस्ट कराने का काम कर रहे हैं जिससे बैकुंठपुर के भाजपा प्रत्याशी को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाया जा सके। खुद को प्रबल दावेदार मानकर चल रहे भाजपा से टिकट के वह भी बैकुंठपुर विधानसभा से यह नेता भाजपा की सरकार प्रदेश में तो चाहते हैं लेकिन दो विधानसभा में यह भाजपा प्रत्याशियों की जीत नहीं देखना चाहते। ऐसे भी लोग भाजपा में हैं और भाजपा अनुशासित पार्टी होने की बात करती है यह कुछ न समझ में आने वाली बात जैसी बात है। भाजपा प्रत्याशियों में बैकुंठपुर के भाजपा प्रत्याशी ऐसे प्रत्याशी हैं जो आसपास के कई विधानसभा में अपना जनाधार कहें या समर्थक कहें रखते हैं वहीं एक प्रत्याशी इस बार ऐसे विधानसभा से चुनाव में हैं भाजपा प्रत्याशी जहां बैकुंठपुर भाजपा प्रत्याशी का अच्छा खासा जनाधार है जो उनके लिए काम आ सकता है लेकिन जिस भाजपा दावेदार का टिकट कटा है वह आपस में दो प्रत्याशियों के बीच यह कहकर दरार पैदा कर रहे हैं की सरकार बनने की स्थिति में आपस में टकराव की स्थिति उत्पन्न होगी और फिर एक प्रत्याशी के लिए दिक्कत होगी। भाजपा में विरोध का यह स्वरूप नया देखने को मिल रहा है जब टिकट नहीं मिलने पर एक दावेदार खुलकर तो विरोध नहीं कर पा रहा है लेकिन वह अंदर ही अंदर भाजपा प्रत्याशियों को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहा है और जिससे पार्टी को नुकसान होने की पूरी आशंका है। भाजपा ने इस बार नई रणनीति के तहत टिकट का वितरण किया है जो जिताऊ दिखा उसे ही भाजपा ने टिकट दिया और लाख विरोध के बाद भी भाजपा ने अपने प्रत्याशियों को बदलने का प्रयास नहीं किया जिसका फायदा भी देखने को मिल रहा है।

अविभाजित कोरिया की तीनो सीटों के मुकाबला कांटे का

भाजपा के प्रत्याशियों की स्थिति मजबूत मानी जा रही है खासकर विभाजित कोरिया जिले की तीनो सीटों के मुकाबला कांटे का है और कहीं से एकतरफा कुछ भी नहीं है ऐसे में अब जो पार्टी संगठित होकर अपने प्रत्याशी के लिए काम कर पाई वह निश्चित जीत दर्ज करेगी वहीं भीतरघात हुआ तो नुकसान भी तय है। अब ऐसे में भाजपा के लिए मुश्किल यह है की टिकट के दावेदार ही भीतरघात से बाज नहीं आ रहे हैं। वैसे भीतरघात से निपटने भाजपा पूरी तैयारी में है, वह इससे पूर्व से ही वाकिफ थी ऐसा माना जा रहा है और वह इसके लिए रणनीति के तहत काम भी कर रही है इसलिए भीतरघात करने वालों की पहचान भी होती जा रही है जो भाजपा सूत्रों का ही कहना है जिनसे पार्टी चुनाव के बाद परिणाम के बाद हिसाब लेगी ऐसा बताया जा रहा है। कुल मिलाकर भाजपा की दो विधानसभा सीट इस समय एक भाजपा नेता के निशाने पर है और उस नेता पर भाजपा संगठन की निगाहें भी हैं।

क्या हमेशा के लिए अपनी दावेदारी समाप्त करना चाहते है नेताजी?

वैसे भाजपा सूत्रों की ही माने तो बैकुंठपुर से भाजपा प्रत्याशी के विरुद्ध जो सोशल मीडिया पोस्ट डाली जा रही है वह किसके इशारे पर डाली जा रही है यह भाजपा संगठन जान चुकी है क्योंकि यह गलती उसी से हुई है जिसने कहने पर पोस्ट सोशल मिडिया पर पोस्ट किया या जिसने लाइक किया। भाजपा संगठन पल पल नजरें जमाए बैठी है और सोशल मिडिया पर भाजपा संगठन का ध्यान सबसे ज्यादा है। वैसे अपनी ही पार्टी की कब्र खोदने की जुगत में लगे नेता जी का असर ज्यादा देखने को नहीं मिल पा रहा है, उनको लेकर अब अन्य भी समझ चुके हैं की उनकी दावेदारी संभव नहीं हुई इसलिए वह अब ऐसा कुछ करेंगे यह तय ही था इसलिए भाजपा से जुड़े लोग इसे ज्यादा तुल भी नहीं दे रहे हैं लेकिन वह यह जरूर कहते सुने जा रहे हैं की पार्टी संगठन में रहकर ऐसा करना गलत है वार सामने से होना चाहिए पीठ पीछे से नहीं। पार्टी के कार्यकर्ता यह भी कहते सुने जा रहे हैं की ऐसा करके अब वह नेता जो ऐसा कर रहे हैं हमेशा के लिए अपनी दावेदारी समाप्त करते जा रहे हैं और उन्हे फिर दावेदार के रूप में स्वीकार कर पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन होगा।

भाजपा को कितना नुकसान पहुंचा पाते हैं?

अब देखना है की नेताजी दो विधानसभा में भाजपा को कितना नुकसान पहुंचा पाते हैं जबकि अभी स्थिति टक्कर की है और जीत हार जनता और कार्यकर्ता के समर्थन और मेहनत से होनी है। कार्यकर्ताओं का मानना है की पार्टी प्रमुख होनी चाहिए अवसर किसी के लिए स्थाई नहीं होता एकदिन अवसर सभी को मिलना है फिलहाल प्रत्याशी और पार्टी की जीत जरूरी है जो होगी यह उनका विश्वास है और विरोध करने वाले पार्टी के हितैसी नहीं कहे जा सकते यह उनका मानना है।

मेडिकल कॉलेज की टीम ने की न्यू लाइफ नर्सिंग कॉलेज की जांच पर जाँच रिपोर्ट अब तक नहीं हुई सार्वजनिक..

क्या जांच टीम हुई मैनेज ?

रिपोर्ट अब तक नहीं हुई सार्वजनिक...

मापदंडों के मुताबिक संचालित नही है नर्सिंग कॉलेज : सूत्र

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

गांधी नागरिक एकता मंच के अध्यक्ष संजय जायसवाल पिता शिवमंगल जायसवाल उम्र 39 वर्ष निवासी जूनापारा बैकुण्ठपुर ने शहर में अवैध रूप से संचालित न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज की शिकायत करने के बाद 18 अक्टूबर को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर से डॉक्टर कुलकर्णी की अगुवाई में 3 सदस्यीय जांच दल निरीक्षण करने आया था। लेकिन आज तक जांच की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की, जिससे ऐसा प्रतीत होता है की जांच दल भी मैनेज हो गया है।

संजय जायसवाल की शिकायत के मुताबिक मेन रोड बैकुण्ठपुर में विगत 8-9 वर्षो से न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज संचालित है, जो भारतीय उपचर्या परिषद नई दिल्ली के द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के विपरीत है। भारतीय उपचर्या परिषद नई दिल्ली के द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के अनुसार नर्सिंग कॉलेज के लिए न्यूनतम 100 सीटें रखा जाना और उसके अनुरूप 300 बिस्तरों की सुविधा अनिवार्य है, जबकि न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज बैकुण्ठपुर में इसका अभाव है। इसी प्रकार उक्त कॉलेज में जो कक्ष हैं, वे अत्यंत संकीर्ण हैं, जिसमें प्राकृतिक हवा एवं प्रकाश की उक्त व्यवस्था नहीं है। फायर सेफ्टी की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। यह कि उपचर्या परिषद नई दिल्ली के द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के अनुसार नर्सिंग कॉलेज के लिए 60 छात्रों की क्षमता के लिए 23200 वर्गफीट भूमि पर नर्सिंग कॉलेज भवन का निर्माण होना अनिवार्य है, जबकि न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज लगभग 9703 वर्ग फीट पर निर्मित भवन में संचालित है, उक्त भवन की कोई लीज मूल भूमि स्वामी से प्राप्त नहीं की गयी है, बल्कि अतिक्रमण के उदेश्य से उक्त संस्था संचालित की जा रही है, जो कभी भी विवाद में उलझ सकती है। यह कि उपचर्या परिषद नई दिल्ली के द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के अनुसार नर्सिंग कॉलेज के लिए 1600 वर्ग फीट भूमि पर लैब, 1200 वर्ग फीट भूमि पर कम्युनिटी हेल्थ एवं न्यूट्रीशियन लैब 900 वर्ग फीट भूमि पर प्रसुति नर्सिंग लैब 900 वर्ग फीट भूमि पर चाईल्ड हेल्थ नर्सिंग लैब, 900 वर्ग फीट भूमि पर प्री-क्लीनिकल साईन्स लैब 1500 वर्ग फीट भूमि पर कम्प्यूटर लैब 3000 वर्ग फीट भूमि पर मल्टी परपज रूम, 1500 वर्ग फीट भूमि पर मल्टी परपज रूम, 1000 वर्ग फीट भूमि पर कॉमन रूम महिला-पुरुष, 800 वर्ग फीट भूमि पर स्टाफ रूम, 300 वर्ग फीट भूमि पर प्राचार्य कक्ष, 200 वर्ग फीट भूमि पर उप प्राचार्य कक्ष, 2300 वर्ग फीट भूमि पर पुस्तकालय, विभागाध्यक्ष के लिए 5 कक्ष 200-200 वर्ग फीट भूमि पर फैकल्टीज रूम के लिए 2400 वर्ग फीट, प्रशासन कक्ष के लिए 1000 वर्ग फीट भूमि इस प्रकार लगभग 23000 वर्ग फीट भूमि पर पृथक-पृथक कक्ष निर्मित होना एवं इसका सम्पूर्ण सेटअप होना अनिवार्य है। इसी तरह से हॉस्टल के लिए 21100 वर्ग फीट भूमि, जिसमें सिंगल डबल प्रशासन, आगन्तुक / विजिटर कक्ष, पठन-पाठन कक्ष, भण्डार कक्ष, डाईनिंग-किचन, वार्डन रूम सम्मिलित है, न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज में उपरोक्त व्यवस्था का सर्वथा अभाव है। यह कि उपचर्या परिषद नई दिल्ली के द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के अनुसार नर्सिंग कॉलेज के लिए प्राचार्य सहित समस्त स्टाफ की संख्या समस्त छात्रों की संख्या का 30 प्रतिशत अर्थात् लगभग 39 से कम नहीं होनी चाहिए. किंतु वर्तमान में संचालित न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज में मात्र 6-7 से ज्यादा प्राचार्य सहित प्राध्यापक नहीं हैं, उक्त संबंध में फर्जी आंकड़े दर्शाकर नियमों को धत्ता बतलाकर कथित नर्सिंग कॉलेज का पंजीयन प्राप्त किया गया है, जो उपचर्या परिषद नई दिल्ली के द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के विपरीत है। नियमानुसार 37 स्टॉफ होने चाहिए लेकिन इस नर्सिंग कॉलेज में स्टॉफ कम हैं, स्टॉफ की सेलरी स्लिप से भी इसकी तस्दीक की जा सकती है की स्टॉफ कितने हैं। लायब्रेरी में भी नियमनुसार किताबे कम हैं। इसी प्रकार छात्राओं के लिए एमएलए नगर में बना छात्रावास भी संदेह के घेरे में है। वहां अलग से बाउंड्री वॉल नही है। जबकि आए दिन इस कालोनी में असामाजिक तत्व उपद्रव करते हैं, जिसकी शिकायत कालोनी के लोगो ने कई बार थाने में भी की है।

शिकायतकर्ता
संजय जायसवाल

न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में पदस्थ डीपीएम डॉ. प्रिन्स जायसवाल द्वारा मनमाने रूप से संचालित किया जा रहा है

शिकायतकर्ता का आरोप है की यह कि न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज मूलतः जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में पदस्थ शासकीय लोक सेवक जिला सलाहकार / प्रभारी डीपीएम डॉ. प्रिन्स जायसवाल द्वारा मनमाने रूप से संचालित किया जा रहा है, जिनकी स्थानीय जिला प्रशासन में पंहुच प्रभाव एवं काफी दखल है, जो नाममात्र के लिए अपनी पत्नी श्रीमती वंदना जायसवाल को उक्त संस्था का प्रमुख निरूपित किये हुए हैं, जो कभी उक्त संस्था में आती-जाती नहीं हैं, बल्कि अनावेदक डॉ. प्रिन्स जायसवाल अपने शासकीय कार्यो को छोड़कर पूर्ण रूप से उक्त नर्सिंग कॉलेज में अपना सम्पूर्ण समय देकर अनुचित लाभ अर्जित कर रहे हैं, जो सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम के प्रावधानों के अनुसार कदाचरण की श्रेणी में आता है। यह कि अनावेदक डॉ. प्रिन्स जायसवाल वैसे तो जिला चिकित्सालय बैकुण्ठपुर में शासकीय लोक सेवक जिला सलाहकार/प्रभारी डीपीएम के पद पर पदस्थ हैं, जो काफी व्यक्ति हैं, जिसके द्वारा फर्जी तौर पर प्रत्यक्ष रूप से न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज संचालित किया जा रहा है, एक तरफ वह राज्य शासन के अधीन शासकीय सेवक होते हुए शासन से मोटा वेतन प्राप्त कर रहे है, वहीं दूसरी तरफ अपनी पत्नी वंदना जायसवाल के नाम से फर्जी तौर पर उक्त संस्था अनियमित एवं अवैधानिक तौर पर संचालित कर रहे हैं तथा नर्सिंग छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड कर रहे हैं। न्यू लाईफ नर्सिंग कॉलेज के समीपस्थ सेन्ट्रल बैंक, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ इण्डिया एवं अन्य व्यापारिक संस्थान/दुकान में स्थापित किये गये सीसीटीव्ही कैमरों के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाले जाने तथा स्थानीय जनों से इसकी जानकारी गोपनीय ढंग से ली जाकर कथित संस्था में अनावेदक डॉ. प्रिन्स जायसवाल के आमद-रफ्त एवं मौजूदगी संबंधी तथ्य की पुष्टि की जा सकती है।

जिन्होंने पहले कांग्रेस छोड़ा...फिर उन्हें जिन्होंने कांग्रेस प्रवेश करवाया...

प्रवेश कराने के बाद न जाने किस किनारे उन्हे छोड़ दिया ?

क्या कांग्रेस प्रवेश कराने तक ही थी उनकी जवाबदारी बाकी प्रवेश करने वाले समझे यही थी रणनीति

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

राजनीति का कोई धर्म नहीं होता सिर्फ राजनीति का उद्देश्य होता है सत्ता पाना, सत्ता पाने के लिए क्या नहीं किया जाता यह किसी से छुपा नहीं है, सत्ता पाने की चाह इतनी अधिक होती है कि कोई भी प्रत्याशी किसी भी हद तक जा सकता है या कहे तो उनके समर्थक अपने प्रत्याशी के लिए कुछ भी कर सकते हैं, ताकि वह जीतने के बाद उनके करीबी बनकर 5 साल रेवड़ी खा सके, पर इस बीच प्रत्याशी को जीताने के लिए जो भी हथकंडे अपनाए जाते हैं वह कहीं ना कहीं नियमों पर खरे नहीं उतरते, कुछ ऐसा ही एक वाक्या बैकुंठपुर विधानसभा के राजनीति में भी देखने को मिला कांग्रेस से प्रत्याशी का नाम तय होने के बाद कुछ कांग्रेसी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में चले गए जैसे ही वह गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में गए तत्काल प्रत्याशी के करीबी बनने वाले उन्हें दूसरे दिन ही कांग्रेस प्रवेश करा दिए, कांग्रेस प्रवेश करने के बाद ऐसा लगा कि उन्हें जवाबदारी व जिम्मेदारियां मिलेगी और कांग्रेस में उनका कद बढ़ेगा पर जिन्होंने वापसी की उन्हें वापसी कराने वाले ही किनारे लगा दिए, आज दबी जुबान पर कांग्रेस में रहकर भी उन्हें वह पार्टी अपनी सी नहीं लग रही ऐसा लग रहा है कि कहीं जबरदस्ती में वह पार्टी से जुड़े हुए हैं और इसकी सिर्फ वजह है उनको वापसी कराने

कभी इधर कभी उधर जैसे हों दूध पीते बच्चे,क्या ऐसे लोग सम्हालेंगे बैकुंठपुर की कांग्रेस प्रत्याशी के जीत का जिम्मा ?

पार्टी छोड़कर फिर वापस आने पर नहीं हो रही पूछ परख,किनारे नजर आ रहे ऐसे लोग

वाले नेता जो उन्हें वापसी कराकर छोड़ दिए हैं ख्याति अपनी बढ़ा लिए और उनकी ख्याति की वाट लगा दिए।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी में जाकर लौटने वाले नेताओं को गाड़ियों में बैठाकर घुमाना नाश्ता कराना और दिनभर घुमाकर साथ रात में घर छोड़ देना इतनी ही जिम्मेदारी उनको वापसी कराने वाले नेता निभा रहे हैं। वापसी करने वालों को अतिरिक्त जिम्मेदारी नहीं दी जा रही है। दबी जुबान में उनका मानना है की उनके प्रति विश्वास पार्टी के वह नेता भी नहीं कर पा रहे हैं जिन्होंने उनकी पार्टी में वापसी कराई है। अब ऐसे नेताओं की स्थिति बड़ी अजीब सी हो गई है, उन्हे निर्देश मानने की तो छूट दी गई है लेकिन उन्हे यह छूट नहीं है की उन्हे कोई निर्णय खुद लेना है। अब ऐसे नेता खुद को कोसते भी नजर आ रहे हैं। वैसे भी राजनीति में माना जाता है की दल बदल करने वाली की गिनती फिर से नीचे से शुरू होती है वैसी ही इन नेताओं की हुई है गिनती नीचे से शुरू हुई है और फिलहाल उन्हे नीचे से ही अब ऊपर आने का प्रयास जारी रखना है। पार्टी में फिलहाल उन्हे निर्देशों का ही पालन करना है और उन्हे अन्य के साथ ही पार्टी के लिए काम करना है। वैसे बताया जा रहा है ऐसे नेता खुद को भी कोश रहे हैं क्योंकि उन्होंने अलग दल में जाकर उसकी सदस्यता ले ली थी और जिसे सार्वजनिक भी कर दिया गया था। उन्होंने भले ही सफाई यह दी हो की वह समझ नहीं सके लेकिन इसे कांग्रेस स्वीकार आसानी से नहीं करने वाली क्योंकि वयस्क को बहकाना आसान बिलकुल नहीं होता।

आत्मानंद विद्यालय में भर्ती के नाम पर पैसे की मांग करने वाले के विरुद्ध हुई शिकायत

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया अभी है स्थगित

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों मे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से संविदा भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे, जिसमें आदर्श आचार संहिता लगने के कारण उक्त भर्ती की कार्यवाही स्थगित है। इस कार्यालय को सूचना प्राप्त हुई है कि अनाधिकृत व्यक्ति के द्वारा मो.न. 8981752810 एवं मेल आई.डी. www. korba. gov.in @gmail.com के माध्यम से फर्जी तरीके से आवेदकों को उनके चयन, नियुक्ति आदेश एवं पैसे की लेनदेन हेतु सम्पर्क किया जा रहा है जो इस कार्यालय से संबंधित नही है। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कोरबा जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों के भर्ती से संबंधित सूचना जिले के अधिकृत वेबसाईट www.korba.gov.in में अपलोड की जाएगी। इसके अतिरिक्त किसी अन्य माध्यम से आपको भर्ती हेतु किसी भी प्रकार से सम्पर्क किया जाता है और उनके झांसे में आकर आपका आर्थिक नुकसान होता है तो इसमें इस कार्यालय की कोई जवाबदारी नही होगी।

बाइक रैली निकालकर दिया गया मतदान जागरूकता का संदेश

-संवाददाता-
कोरबा,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार और स्वीप नोडल अधिकारी के निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में कोरबा के मतदाताओ द्वारा अपने-अपने मोटर सायकल में जागरूकता संदेश लेकर बाइक में बैनर पोस्टर फ्लेक्स लगाकर शहर के सीतामणी गौमाता चौक बस स्टैंड, पॉवर हाउस रोड, टीपी नगर, बुधवारी, निहारिका, कोसाबाड़ी होकर पीजी कॉलेज तक बाइक रैली निकाला गया। बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन में कोरबा जिले के मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान हेतु लगातार शहर से लेकर गावों तक मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में अलग उत्साह है। जिले के युवा और बुजुर्ग मतदाता मतदान करने उत्साहित नजर आ रहे हैं। बाइक रैली में शामिल युवाओं द्वारा शासकीय पीजी कॉलेज पहुंचकर मतदान का संकल्प लिया गया। प्राचार्य श्रीमती साधना खरे द्वारा उपस्थित सभी को निष्पक्ष मतदान हेतु शपथ दिलाई गई।

बालको के पहल से समुदाय में कैंसर जागरूकता को मिला बढ़ावा

-संवाददाता-
कोरबा,09 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने समुदाय के भीतर कैंसर की शीघ्र पहचान और जागरूकता बढ़ाने के लिए मुहिम चलाया । इस दौरान बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के सहयोग से कंपनी ने स्तन कैंसर जागरूकता माह और राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर अक्टूबर के पूरे महीने में सामुदायिक महिलाओं, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और शिक्षकों को जागरूकता प्रदान किया। बालको ने समुदायों में परिवार के कल्याण पर महिलाओं के महत्वपूर्ण प्रभाव, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के प्रसार में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और अगली पीढ़ी को तैयार करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए उनकी जागरूकता को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। कैंसर की रोकथाम और शीघ्र पता लगाने के बारे में जागरूक करने के साथ लोगों को सशक्त बनाना भी बनाना है। वेबिनार सत्र और जागरूकता वार्ता का उद्देश्य कैंसर की रोकथाम और इलाज के साथ एक स्वस्थ और अधिक जागरूक समाज का निर्माण करना है। डॉ. नूपुर प्रिया और डॉ. अजीत अग्रवाल सहित बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) के कैंसर विशेषज्ञों की टीम ने विभिन्न कार्यक्रमों और सत्रों का नेतृत्व करते हुए विभिन्न प्रकार के कैंसर, उनके कारकों और स्क्रीनिंग पर बात की। डॉक्टरों जानकारी देते हुए कहा के सर्जिकल, रेडिएशन, हेमटोलॉजिकल, बीएमटी और उपशामक देखभाल के लिए व्यापक सुविधाओं के साथ बालको मेडिकल सेंटर भारत के ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में एक राष्ट्रीय पहचान रखता है। रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित अत्याधुनिक 170 बिस्तरों वाला अल्ट्रा-आधुनिक, मल्टी-मोडैलिटी डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय सुविधा है। बीएमसी स्थापना के बाद से घरेलू कैंसर उपचार, जागरूकता, बुनियादी ढांचे और आधुनिक उपकरणों की मदद से लगभग 33,000 से अधिक रोगियों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा अब तक किया है। स्वास्थ्य जागरूकता सत्र के दौरान महिलाओं को कैंसर का शीघ्र पता लगाने के महत्व और संबंधित जोखिम कारकों के बारे में शिक्षित करने पर केंद्रित किया गया था। 200 से अधिक प्रतिभागियों को स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने के लिए स्व-परीक्षण और नैदानिक जांच करने के लिए सशक्त और प्रोत्साहित किया गया। यह जागरूकता सत्र महिलाओं को कैंसर का शीघ्र पता लगाने के महत्व और संबंधित जोखिम कारकों के बारे में शिक्षित करने पर केंद्रित था। प्रतिभागियों को स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने के लिए स्व-परीक्षण और नैदानिक जांच कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इंटरैक्टिव कार्यक्रमों में प्रश्नोत्तर सत्र, कैंसर की चुनौतियां एवं निवारक उपाय और चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के महत्व को प्रोत्साहित करना भी शामिल था। डॉ. नूपुर प्रिया और डॉ. अजीत अग्रवाल सहित बालको मेडिकल सेंटर के प्रतिष्ठित कैंसर विशेषज्ञों की एक टीम के नेतृत्व में लगभग 200से अधिक प्रतिभागियों को विभिन्न सत्रों के माध्यम से सशक्त बनाया गया।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि कैंसर का शीघ्र पता लगाना, चिकित्सा आवश्यकता के साथ-साथ व्यक्तियों और परिवारों के लिए एक जीवन रेखा है। प्रारंभिक चरण में कैंसर का पता लगाने से न केवल सफल उपचार की संभावना बढ़ सकती है, बल्कि रोगियों और उनके परिवारों पर भावनात्मक और वित्तीय बोझ भी कम हो सकता है। व्यक्तियों को अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनना, एक स्वस्थ और जागरूक समुदाय का निर्माण हो सकता है। जागरूकता को बढ़ावा देकर और शीघ्र जांच को प्रोत्साहित करके, हम अपने समुदाय के सदस्यों के जीवन में गहरा बदलाव ला सकते हैं। हमारे हस्तक्षेप व्यक्तियों और समुदायों के जीवन पर सकारात्मक और स्थायी प्रभाव डालने के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण हैं। बालको ने कैंसर की रोकथाम और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता में पहले भी समुदायों के भीतर मुफ्त कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए हैं। बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से आयोजित इन शिविरों में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा और सिर एवं गर्दन के कैंसर की जांच के साथ-साथ मैमोग्राफी, पैप स्मीयर परीक्षण, ब्रश सायटोलॉजी, विशेषज्ञ परामर्श और सामान्य जांच सेवाएं प्रदान की गईं।

नीदरलैंड टीम में क्लेन के प्रतिस्थापन के रूप में क्रोज को मंजूरी दी गई

बेंगलुरु,09 नवम्बर 2023। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले अपने आखिरी मैच से पहले नीदरलैंड ने अपनी टीम में बदलाव किया है.
तेज गेंदबाज रयान क्लेन को पीठ की चोट के कारण 15-खिलाड़ियों की टीम से हटा दिया गया है, साथ ही युवा बल्लेबाज नोआ क्रॉस को टूर्नामेंट के अंतिम मुकाबले के लिए प्लेइंग ग्रुप में पदोन्नत किया गया है।
इस बदलाव को टूर्नामेंट इवेंट टेक्निकल कमेटी ने गुरुवार को मंजूरी दे दी, जिसका मतलब है कि क्रोज़ रविवार को बेंगलुरु में अजेय भारत के खिलाफ खेल सकते हैं।
क्रोज़ ने अपने देश के लिए सिर्फ एक वनडे मैच खेला है, जिसमें उनकी एकमात्र उपस्थिति जुलाई में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में थी, जब 23 वर्षीय खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ सिर्फ सात रन बनाने में सफल रहे थे।
क्लेन मौजूदा टूर्नामेंट में नीदरलैंड के लिए एक बार उपस्थित हुए हैं, उनका एकमात्र प्रयास हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ था जब वह सात ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाए थे।
जबकि नीदरलैंड विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ से बाहर है, भारत पर जीत उन्हें पाकिस्तान में 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजन के लिए आठ योग्यता स्थानों में से एक में पहुंचा सकती है।
नीदरलैंड टीमः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओ'डोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामानुरु, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रूलोफ वैन डेर मेरवे, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, नोआ क्रॉस, वेस्ले बर्रेसी, साकिब जुल्फिकार, शारिज़ अहमद, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट।

भारत-पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल मुकाबला

भारत के खिलाफ बाबर की टीम के लिए क्या है समीकरण

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023। शानदार अजेय प्रदर्शन की बदौलत भारतीय क्रिकेट टीम ने पहले ही क्रिकेट विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। दूसरी ओर, कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में अब तक अपने आठ मुकाबलों में चार जीत और चार हार के साथ मिश्रित फॉर्म का आनंद लिया है। जहां नीदरलैंड के खिलाफ भारत का आखिरी मैच औपचारिकता भर है तो वहीं इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान का मैच प्रतियोगिता में उनके भविष्य को तय करने में महत्वपूर्ण होगा। हालाँकि पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के लिए स्थितियाँ अधिक अलग नहीं हो सकती हैं, फिर भी इस बात की ठोस संभावना है कि वे विश्व कप सेमीफाइनल में एक-दूसरे का सामना कर सकते हैं।
नीदरलैंड के खिलाफ खेल में चाहे कुछ भी हो, भारत को अंतिम अंक तालिका में शीर्ष स्थान की गारंटी है। भारत के 8 मैचों में 16 अंक हैं और दूसरे स्थान पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका के 12 अंक हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए अपना आखिरी मैच जीतना होगा और अफगानिस्तान पर निर्भर रहना होगा और न्यूजीलैंड के खेल से अनुकूल परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद करनी होगी। टूर्नामेंट में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का एक मैच बचा है जबकि अफगानिस्तान प्रतियोगिता में अपना अंतिम मैच दक्षिण अफ्रीका से खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही हारने के बाद, अगर अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी हार जाता है, तो दौड़ पाकिस्तान और न्यूजीलैंड पर आ जाएगी, बशर्ते वे अपने-अपने मैच जीतें। यदि अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीतता है, तो तीनों टीमों के 10 अंक होंगे (बशर्ते पाकिस्तान और न्यूजीलैंड भी अपने-अपने अंतिम मैच जीतें), और चौथे स्थान की दौड़ नेट रन रेट (एनआरआर) द्वारा तय की जाएगी। यदि पाकिस्तान अपना मैच जीतता है और न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान दोनों ग्रुप चरण में अपने अंतिम मैच हार जाते हैं, तो बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम चौथे स्थान पर रहेगी और सेमीफाइनल में भारत से भिड़ेगी। प्रारूप के अनुसार, पहले स्थान पर रहने वाली टीम सेमीफाइनल में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। ऐसे में वर्ल्ड कप 2023 में एक बार फिर भारत-पाक की भिड़ंत फैंस को रोमांचित कर देगी। अगर न्यूजीलैंड अपना अंतिम मैच जीत जाता है तो सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान को बड़े अंतर से अपना आखिरी मैच जीतना होगा।

एशियन गेम्स में गोल्फ खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद खुश हूं:पीटी उषा

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियाई खेलों में महिलाओं की व्यक्तिगत गोल्फ स्पर्धा में ऐतिहासिक रजत पदक के लिए भारत की अदिति अशोक की जमकर सराहना की।

पहले तीन राउंड में आगे चल रही अदिति आखिरी मिनट में पिछड़ गई और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।
हालांकि, वह एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गई हैं।
उषा दिल्ली गोल्फ क्लब में राष्ट्रीय खेलों की गोल्फ प्रतियोगिता देखने आई थी।
भारतीय ओलंपिक संघ अध्यक्ष ने कहा, राष्ट्रीय खेलों में गोल्फ खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा करते देखना एक शानदार अनुभव था। मैंने कभी कोई गोल्फ टूर्नामेंट इतने करीब से नहीं देखा था।
मैंने आज गोल्फ में भी अपना हाथ आजमाया। हमारे खिलाड़ियों, विशेषकर अदिति अशोक ने एशियाई खेलों में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे मैं बहुत खुश हूं। मैं उन्हें उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के लिए बधाई देना चाहती हूं।
भारत ने अपने एशियाई खेल 2023 अभियान को 107 पदकों (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य) के रिकॉर्ड के साथ समाप्त किया।
इसने जकार्ता 2018 में पिछले संस्करण में हासिल किए गए भारत के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जहां भारतीय टीम ने 70 पदक जीते थे, जिसमें 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य पदक था।

पेरिस ओलंपिक योग्यता को हल्के में नहीं ले रहे

मुंबई,09 नवम्बर 2023। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय ने जोर देकर कहा कि पुरुष एकल में प्रतिस्पर्धा के स्तर को देखते हुए विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर रहने के बावजूद वह अपनी पेरिस ओलंपिक योग्यता को हल्के में नहीं ले रहे हैं।
प्रणय वर्तमान में रोड टू पेरिस रैंकिंग में 7वें स्थान पर हैं, उनके हमवतन लक्ष्य सेन 17वें और किदांबी श्रीकांत 20वें स्थान पर हैं। योग्यता नियमों के अनुसार, एक देश दो खिलाड़ियों को ओलंपिक में तभी भेज सकता है, जब दोनों दुनिया के शीर्ष 16 में स्थान पर हों। 28 अप्रैल, 2024 को योग्यता अवधि के अंत में रैंकिंग।
प्रणय ने फेडरल बैंक इवेंट के इतर कहा, ÷पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अभी प्राथमिक लक्ष्य है। क्वालीफिकेशन समाप्त होने से पहले 10-12 टूर्नामेंट बाकी हैं और मैं कुछ भी हल्के में नहीं ले सकता।÷

पुरुष एकल में प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक है। 2023 मलेशिया मास्टर्स चैंपियन ने कहा, ÷मुझे लगातार बने रहने और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने और कड़ी मेहनत जारी रखने की जरूरत है।÷
प्रणॉय, जो पिछले महीने हांगझू में 1982 के बाद एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बने थे, पीठ दर्द के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं और उन्हें जापान ओपन वर्ल्ड सुपर 500 और चीन ओपन वर्ल्ड सुपर 750 में भाग लेना है। इस महीने टूर्नामेंट.31 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मैं अभी भी पीठ दर्द से उबर रहा हूं और मैंने फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। मैं फिर से टूर पर जाने के लिए उत्सुक हूं लेकिन मैं अपनी फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेने जा रहा हूं।
अपने एशियाई खेलों के अभियान के बारे में बोलते हुए, प्रणय ने कहा कि वह पुरुष एकल में पदक के लिए खुद को आगे बढ़ाने में सक्षम थे, लेकिन निराश थे कि उनकी चोट ने उन्हें पुरुष टीम फाइनल खेलने की अनुमति नहीं दी।
टीम रजत बहुत बड़ा है क्योंकि एशियाई खेल एक कठिन टूर्नामेंट है। हर कोई अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार था और यही कारण है कि हमें पदक मिला। काश मैं (फाइनल के लिए) पूरी तरह से फिट होता।÷

शमी ने डीआरएस हेरफेर के दावे पर पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी की आलोचना की

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर हसन रजा की भारत के खिलाफ गेंदों के अलग-अलग सेट का उपयोग करने के उनके विचित्र दावों के लिए आलोचना की।
रजा ने आरोप लगाया था कि भारत को आईसीसी और बीसीसीआई द्वारा गेंदों का एक अलग सेट दिया जा रहा है, जिससे उन्हें मौजूदा वनडे विश्व कप 2023 में गेंद से किसी अन्य की तुलना में बेहतर प्रभाव डालने का मौका मिले।
रजा के हवाले से कहा गया, हम देख रहे हैं कि जब वे बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो वे वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं और जब भारत गेंदबाजी करता है तो अचानक गेंद हरकत करने लगती है। 7-8 करीबी डीआरएस कॉल उनके पक्ष में गए हैं।
जिस तरह से सिराज और शमी गेंद को स्विंग करा रहे थे, ऐसा लग रहा था कि आईसीसी या बीसीसीआई उन्हें दूसरी पारी में अलग और संदिग्ध गेंदें दे रहे थे। गेंद का निरीक्षण करने की जरूरत है।शमी ने इंस्टाग्राम पर हसन रजा की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें थोड़ी शर्म आनी चाहिए। अगर रजा किसी की बात नहीं सुनना चाहते तो उन्हें पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम की बात ध्यान से सुननी चाहिए।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की पहली महिला अध्यक्ष बनी डायना

क्राइस्टचर्च ,09 नवम्बर 2023। डायना पुकेतापु-लिंडन न्यूजीलैंड क्रिकेट के अध्यक्ष के रूप में मार्टिन स्नेडेन की जगह लेंगी, जो संगठन के इतिहास में यह भूमिका निभाने वाली पहली महिला होंगी।
यह बदलाव स्नेडन के फैसले के बाद हुआ है, जिनके पास बोर्ड पर निदेशक के रूप में काम करने के लिए अभी भी एक साल का समय है। वह डिप्टी चेयरमैन पुकेतापु-लिंडन को अपने नए पद पर आसानी से बदलाव की अनुमति देने के लिए अध्यक्ष पद से हट जाएंगे।
एनजेडसी के पूर्व सीईओ स्नेडेन, जिन्होंने इसके बोर्ड में निदेशक के रूप में तीन कार्यकाल दिए हैं। उन्होंने कहा कि एक नई कुर्सी को समायोजित करने के लिए पद छोड़ना बिल्कुल सही काम था।
स्नेडेन ने कहा कि एनजेडसी बोर्ड के सदस्य रोजर टूसे इस महीने के अंत से आईसीसी में एनजेडसी के प्रतिनिधि के रूप में कार्यभार संभालेंगे।
एनजेडसी निदेशक के रूप में मेरा अंतिम कार्यकाल 2024 एजीएम में समाप्त होगा।
पुकेतापु-लिंडन को पहली बार 2017 में एनजेडसी बोर्ड में नियुक्त किया गया था और अब वह दूसरी सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली निदेशक हैं। वह न्यूजीलैंड ओलंपिक समिति की अध्यक्ष, इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स की चार्टर्ड सदस्य और फेलो चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं।

वह इस पद पर व्यावसायिक और खेल प्रशासनिक अनुभव का खजाना लेकर आती हैं, जिसमें अमेरिका के कप नौकायन अभियानों में मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में दो कार्यकाल और विश्व मास्टर्स गेम्स के निदेशक के रूप में एक कार्यकाल शामिल है।
बोर्ड में अन्य बदलावों में पूर्व ओलंपियन एलिसन शैंक्स और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के पूर्व अध्यक्ष माइक डेवोनशायर का निदेशक (नीचे बायो) के रूप में चुनाव शामिल है, जिसमें रेबेका रोल्स ने रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त होने का विकल्प चुना है और पुकेटापु-लिंडन और अन्ना कैंपबेल को रोटेशन द्वारा फिर से चुना गया है।
इसके अलावा एजीएम में, पूर्व व्हाइट फर्न्स माइया लुईस और एमी सैटरथवेट और पूर्व ब्लैककैप्स बल्लेबाज रॉस टेलर को एनजेडसी का आजीवन सदस्य चुना गया।
पूर्व व्हाइट फर्न्स किर्स्टी बॉन्ड और कैटरीना केनन, पूर्व ब्लैककैप मार्क ग्रेटबैच और क्रिस हैरिस और पूर्व कोच माइक हेसन को मानद सदस्य नियुक्त किया गया।

ट्रॉसार्ड और साका ने आर्सेनल को सेविला पर आसान जीत दिलाई

लंदन,09 नवम्बर 2023। आर्सेनल ने यूईएफए चैंपियंस लीग के अंतिम 16 के लिए क्वालीफाई करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया, क्योंकि उन्होंने एमिरेट्स स्टेडियम में सेविला को 2-0 से हराकर ग्रुप ए में नौ अंक हासिल कर लिए, और नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने के लिए सिर्फ एक और अंक की जरूरत थी।
लिएंड्रो ट्रॉसार्ड और बुकायो साका के प्रत्येक हाफ में गोल ने हमें बुधवार की रात पूरी तरह से प्रभावी जीत दिलाई। साका आर्सेनल के लिए शो का स्टार था क्योंकि उसने एक गोल किया और सेविला पर उनकी सफलता में एक और योगदान दिया। टखने की समस्या के कारण एडी नेकेतिया के स्थान पर शुरुआत करते हुए, साका ने लिएंड्रो ट्रॉसर्ड के लिए अंतिम पास खेलते हुए शुरुआती गोल किया, और बेल्जियम के पास खाली नेट में टैप करने का सरल कार्य था। यह पांचवीं बार था जब ट्रॉसार्ड को इस सीज़न में सभी प्रतियोगिताओं में साका द्वारा स्थापित किया गया था, 2023/24 में प्रीमियर लीग के एक खिलाड़ी द्वारा दूसरे के लिए सबसे अधिक सहायता।

इसके बाद साका ने 64वें मिनट में अपनी बढ़त को दोगुना कर आर्सेनल को मुकाबले पर पूरा नियंत्रण दे दिया। आर्सेनल पूरी तरह से नियंत्रण में था और उसने 97वें मिनट तक डेविड राया के गोल पर एक शॉट की अनुमति नहीं दी, लेकिन ऐसा तब तक नहीं हुआ जब तक कि साका देर से लंगड़ाते हुए नहीं आया।

हॉकी महिला जूनियर विश्व कप चिली 2023 में भारत का नेतृत्व करेंगी प्रीति

नई दिल्ली,09 नवम्बर 2023। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को चिली के सैंटियागो में 29 नवंबर से 10 दिसंबर तक होने वाले बहुप्रतीक्षित एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप चिली 2023 के लिए भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा की। भारत को पूल सी में जर्मनी, बेल्जियम और कनाडा के साथ रखा गया है। वे पूल सी मैचों में क्रमशः 30 नवंबर और 2 दिसंबर को यूरोपीय टीमों जर्मनी और बेल्जियम से भिड़ने से पहले 29 नवंबर को कनाडा के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगे।
मैदान में अन्य टीमें पूल ए में नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और चिली हैं जबकि पूल बी में अर्जेंटीना, स्पेन' जिम्बाब्वे और कोरिया हैं। पूल डी में इंग्लैंड, अमेरिका, न्यूजीलैंड और जापान प्रतिस्पर्धा करेंगे।
क्वार्टर-फाइनल 6 दिसंबर और सेमी-फाइनल 8 दिसंबर को निर्धारित है जबकि फाइनल 10 दिसंबर को खेला जाएगा।
पिछले संस्करण में भारत चौथे स्थान पर रहकर कांस्य पदक से चूक गया था। आगामी संस्करण के लिए, भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी प्रीति करेंगी और रुतुजा दादासो पिसल उनकी डिप्टी होंगी।
टीम में गोलकीपर खुशबू और माधुरी किंडो शामिल हैं। डिफेंडर नीलम, प्रीति, ज्योति सिंह और रोपनी कुमारी को मिडफील्डर महिमा टेटे, मंजू चोरसिया, ज्योति छत्री, हिना बानो, सुजाता कुजूर और रुताजा दादासो पिसल के साथ टीम में रखा गया है।

फॉरवर्ड लाइन में साक्षी राणा, मुमताज खान, अन्नू, दीपिका सोरेंग, दीपी मोनिका टोप्पो और सुनेलिटा टोप्पो शामिल हैं, जबकि डिफेंडर थौनाओजम निरुपमा देवी और मिडफील्डर ज्योति एडुला को मार्की इवेंट के लिए प्रतिस्थापन खिलाड़ियों के रूप में नामित किया गया है।
टीम चयन के बारे में बोलते हुए, भारतीय महिला जूनियर टीम के कोच तुषार खांडकर ने कहा हमारे पास अविश्वसनीय प्रतिभा पूल है, अंतिम टीम का चयन करना आसान नहीं था, लेकिन मेरा मानना है कि हमने विश्व कप और इन के लिए सर्वश्रेष्ठ टीम चुनी है।÷ खिलाड़ियों ने आयोजन से पहले पिछले कुछ महीनों में बहुत कड़ी मेहनत की है। खिलाड़ी उत्साहित हैं, उन्होंने हाल के दिनों में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है और यह उनके लिए प्रतिष्ठित मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक शानदार अवसर है। उन्होंने कहा, चिली जाने से पहले हमारा प्रशिक्षण और अभ्यास मैच अर्जेंटीना में होगा, जिससे हमें जूनियर विश्व कप के लिए परिस्थितियों से तालमेल बिठाने और लय तय करने में मदद मिलेगी।
टीमः
गोलकीपरः खुशबू, माधुरी किंडो
प्रतिरक्षकः नीलम, प्रीति (सी), ज्योति सिंह, रोपनी कुमारी,
मिडफील्डरः महिमा टेटे, मंजू चोरसिया, ज्योति छत्री, हिना बानो, सुजाता कुजूर, रुतुजा दादासो पिसल (वीसी)
फॉरवर्डः साक्षी राणा, मुमताज खान, अन्नू, दीपिका सोरेंग, दीपी मोनिका टोप्पो, सुनेलिता टोप्पो
प्रतिस्थापन एथलीटः थौनाओजम निरुपमा देवी, ज्योति एडुला

पिप्पा के लिए ईशान खट्टर ने असल टैंक पर की शूटिंग

ईशान खट्टर की फिल्म पिप्पा चर्चा में है। फिल्म की रिलीज काफी समय से अटकी हुई थी। आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म को सीधा ओटीटी पर जारी करने का फैसला लिया।फिल्म 10 नवंबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी।पिप्पा 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी है। क्या आप जानते हैं कि पिप्पा इस युद्ध में इस्तेमाल हुए एक टैंक का नाम था? फिल्म की शूटिंग इसी टैंक के साथ की गई है।
निर्देशक राजा कृष्ण मेनन ने पिप्पा टैंक के बारे में बताया।फिल्म का नाम भारतीय सेना के टैंक पीटी-76 से लिया गया है। पीटी-76 को पिप्पा भी कहा जाता था। यह टैंक जमीन और पानी दोनों पर चलाया जा सकता था।सामान्य भाषा में इसे एक टिन के डब्बे की तरह समझ सकते हैं, जो पानी पर आसानी से तैर सकता है। इस टैंक ने बांग्लादेश की आजादी में अहम भूमिका निभाई थी।मेनन ने कहा, हमें एक टैंक मिला था, जो असली पीटी-76 था। वह काम नहीं करता था। उसकी मरम्मत करने में 8 महीने लगे। उसे चालू हालत में किया गया। फिल्म का बड़ा हिस्सा इसी टैंक पर शूट किया गया था।असली टैंक के अलावा प्रोडक्शन टीम ने 6-7 महीने में उसके जैसे दिखने और तैरने वाले अन्य टैंक का निर्माण किया। बनाने के बाद उनकी जांच भी की गई थी।ईशान ने बताया कि पानी पर तैरते असल टैंक पर शूटिंग करना यादगार अनुभव था। उन्होंने बताया कि आखिरी शॉट के दौरान ही यह टैंक खराब हो गया था।उन्होंने बताया, जब हमें आखिरी शॉट लेना था, यह खराब हो गया, इससे धुआं निकलने लगा। मैं इस टैंक पर 100 फीट गहरी झील के बीचों-बीच था। युद्ध में शामिल जवान, मंडाला साहब इसे चला रहे थे। उन्होंने कहा कि इसका तो हो गया। इसके बाद हमें वापस आना पड़ा।
पिप्पा की कहानी ब्रिगेडियर बलराम सिंह मेहता की किताब द बर्निंग चाफीज पर आधारित है, जिसमें 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध को दिखाया जाएगा।ईशान कैप्टन मेहता की भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर नजर आएंगी।रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की शूटिंग में करीब 75 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। यह तय बजट से अधिक था, ऐसे में निर्माताओं ने इसे ओटीटी पर जारी करना बेहतर समझा।

रिवीलिंग शॉर्ट ड्रेस पहनकर मोनालिसा ने इंटरनेट पर लगाई आग,हॉटनेस देख क्रेजी हुए फैंस

भोजपुरी स्टार मोनालिसा के देशभर में चाहने वाले हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी इस बात का सबूत है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी अदाएं देखकर फैंस की सांसें अटक गई हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री से टीवी तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में उनके लेटेस्ट बोल्ड अंदाज ने फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वीरों में मोनालिसा का स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दंग रह गए हैं। ये ही नहीं एक्ट्रेस भी अपने लुक से फैंस को इंप्रेस करती हुई नजर आ रही हैं। मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही रिवीलिंग सिल्वर कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस जमीन पर बैठकर इठलाते हुए एक से बढ़कर एक सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए कैमरे के अपना बोल्ड लुक कैप्चर करवा रही हैं। अभिनेत्री मोनालिसा की इन तस्वीरों ने एक बार फिर से इंटरनेट पर का तापमान बढ़ा दिया है। कानों में इयररिंग्स, लहराते हुए खुले बाल, और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा आए दिन अपने नए-नए लुक्स की तस्वीरें और वीडियोज फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो बेकबू और फव्वारा चौक इंदौर की शान नाम के सीरियल में भी दिखाई दे चुकी हैं।

सलमान खान की डॉक्यूमेंट्री सीरीज बियॉन्ड द स्टार में बड़ी जिम्मेदारी निभाएंगी यूलिया वंतूर

सलमान खान अक्सर ही सुर्खियों में बने रहते हैं। उनकी फिल्मों का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं तो उनकी निजी जिंदगी के बारे में जानने के लिए भी उत्सुक रहते हैं।पिछले काफी समय से सलमान की डॉक्यूमेंट्री सीरीज बियॉन्ड द स्टार चर्चा में है, जिसे उनकी जिंदगी पर फिल्माया जाएगा।अब खबर आ रही है कि रोमानियाई अभिनेत्री-मॉडल यूलिया वंतूर इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज से जुड़ गई हैं और इसमें वह एक अहम भूमिका निभाती हुई नजर आएंगी।कुछ समय पहले सलमान ने खुलासा किया था कि डॉक्यूमेंट्री सीरीज का सुझाव उन्हें उनकी दोस्त और अभिनेत्री यूलिया ने दिया था।रिपोर्ट के अनुसार, यूलिया, सलमान को बहुत अच्छे से जानती हैं। ऐसे में सीरीज के कॉन्सेप्ट को अंतिम रूप देने के बाद निर्माताओं ने यूलिया को इससे जोड़ने का फैसला किया है।यूलिया सीरीज में अपनी आवाज देंगी और सलमान के फिल्मी सफर के साथ निजी जिंदगी के बारे में बताएंगी।
सूत्र ने बताया कि बियॉन्ड द स्टार के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पहले ही खत्म हो चुका है। अब निर्माताओं ने इस साल 27 दिसंबर को सलमान के 58वें जन्मदिन पर इसे रिलीज कर दर्शकों के सामने लाने का फैसला किया है।यह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी, लेकिन किस प्लेटफॉर्म पर आएगी, फिलहाल यह जानकारी सामने नहीं आइ है। यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज सलमान के प्रशंसकों को उनके जीवन के उतार-चढ़ाव के बारे में भावुक करने का वादा करती है। यूलिया के एक करीबी सूत्र ने कहा, यूलिया इसकी क्रिएटिव प्रोड्यूसर भी हैं। उन्होंने सभी एपिसोड का इंटरव्यू लिया है, जो निश्चित रूप से इंतजार करने के लायक होगा।सीरीज में भाग्यश्री, दिशा पाटनी, साजिद नाडियाडवाला, डेविड धवन, संजय लीला भंसाली, सुभाष घई, हिमेश रेशमिया और सूरज बड़जात्या जैसे सितारे नजर आएंगे।इसमें सलमान के दोस्तों और परिवार के साथ उनकी अनदेखी तस्वीरें, वीडियो और दृश्य भी शामिल होंगे। इसका सह-निर्माण सलमान, विज फिल्म्स और अप्लॉज एंटरटेनमेंट कर रहे हैं। यूलिया, सलमान की फिल्म रेस 3 और राधे के गानों में अपनी आवाज दे चुकी हैं।सलमान की फिल्म टाइगर 3 दिवाली के मौके पर यानी 12 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म है, जिसमें कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी शामिल हैं और शाहरुख खान का कैमियो होगा।सलमान, शाहरुख के साथ फिल्म टाइगर वर्सेज पठान का भी हिस्सा हैं, जिसमें दोनों अभिनेता आमने-सामने होंगे।इसके अलावा वह करण जौहर की एक फिल्म में भारतीय जवान की भूमिका में भी नजर आने वाले हैं।

रमन सिंह के साथ दो अधिकारी हैं वो हैंअडानी के संपर्क में

वही लोग स्टोरी प्लान कर रहे हैं और इसी हिसाब से कार्रवाई हो रही है...बदनाम करने की साजिश और गिरफ्तारी भी चल रही है...ईडी और आईटी के माध्यम से लड़ा जा रहा है चुनाव

रायपुर,09 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में चुनावी माहौल के बीच सियासी पारा चढ़ता ही जा रहा है। भाजपा और कांग्रेस के नेताओं के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच सीएम भूपेश बघेल ने महंगाई और भाजपा नेताओं के बयान पर निशाना साधा है। उन्होमने सांसद रवि किशन के बुलडोजर वाले बयान पर कहा, पूरी स्क्रिप्ट लिखी जा रही है।

रमन सिंह के साथ पहले दो अधिकारी थे, वह अडानी के संपर्क में हैं। वही लोग स्टोरी प्लान कर रहे हैं और इसी हिसाब से कार्रवाई हो रही है। बदनाम करने की साजिश और गिरफ्तारी भी चल रही है। ईडी और आईटी के माध्यम से चुनाव लड़ा जा रहा है।

असम के सीएम के बयान पर भी पलटवार करते हुए सीएम ने कहा कि नया मूल्ला है ज्यादा प्याज खाएगा। अभी-अभी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गया है। निर्वाचन आयोग में शिकायत हुई तो पलटी मार रहा था पालटूराम।

इसी तरह हिमाचल के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के बयानों पर सीएम बघेल ने पलटवार करते हुए कहा, उनको 5 साल मौका मिला वह कर पाए थे क्या पूरा। अभी प्राकृतिक आपदा आई है, वह पहली प्राथमिकता होगी और सारे कार्य होंगे वहां।

बोनस और कर्ज माफी पर रमन सिंह के सवाल पर मुख्यमंत्री बघेल ने निशाना साधते हुए कहा, भारत सरकार ने 2014 में बोनस देने पर प्रतिबंध लगाया था। उसे हटा दिया क्या..? मैंने प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा कि, प्रतिबंध हटा दीजिए और मैं बोनस दूंगा।

महंगाई पर सीएम बघेल ने केंद्र सरकार पर निशासना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार लगातार पेट्रोल और डीजल, रसोई गैस, तेल जैसे पदार्थो के दाम बढ़ा रही है।कांग्रेस घोषणा पत्र में महंगाई से जूझने के लिए कई

योजनाएं लेकर आई है। प्याज के रेट देखकर भी आंसू आने लगे हैं। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में गैस सिलेंडर 500 सब्सिडी देने की बात कही है। 107 रुपए उज्जवला योजना के तहत लोगों को पड़ेगा।

मोदी की गारंटी की नहीं है कोई गारंटी : भूपेश बघेल

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा के मोदी की गारंटी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जी ने काला धन वापस लाने, युवाओं को 2 करोड़ रोजगार देने, किसानों की आय दोगुनी करने, महंगाई कम करने समेत कई वादे किये थे जो आज तक पूरे नहीं हुए है। उन्होंने कहा कि जो 9 सालों में अपने वादों को पूरा नहीं कर पाया उसके गारंटी की कोई गारंटी नहीं है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने संबोधन में कांग्रेस की घोषणा पत्र के आधार पर उपस्थित जनता को फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी चातुरी नंद को जिताने की अपील की।

महतारी वंदन योजना के फार्म भरवाने पर आयोग संज्ञान लेः सीएम भूपेश

प्रदेश में 70 सीटों के लिए दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होना है, दोनों राजनीतिक दल एक दूसरे पर आरोपों की फुलझड़ी और धमाके कर मतदाताओं से समर्थन मांग रही है। सीएम भूपेश ने कहा कि महतारी वंदन योजना का फार्म भरवाना आचार संहिता का खुला उल्लंघन है।

महिलाओं को महतारी वंदन योजना का फॉर्म भरने को लेकर सीएम भूपेश बघेल आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के चलते मतदाताओं् को रिझाने भाजपा महतारी वंदन योजना का फार्म भरवा रही है। बीजेपी ने इसे मोदी की गारंटी कहा है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह ने पात्र महिलाओं के लिए फॉर्म जारी किया है।

जिसको लेकर अब राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है। इस मामले को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि यह आचार संहिता का उल्लंघन है। मामले को लेकर निर्वाचन आयोग को संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजेपी के वादे से महिलाएं प्रभावित नहीं होगी। हमनें सभी वादों में महिलाओं को राहत दी।

सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि इस मामले में निर्वाचन आय्रोग को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। प्रदेश के बस्तर संभाग में 20 सीटों पर पहले चरण का मतदान संपन्न हो चुका है। जिसके बाद अब 17 नवंबर को बचे हुए 70 सीटों पर मतदान होना है। बस्तर संभाग में हुए पहले चरण में 70 प्रतिशत मतदान हुआ। अब दूसरे चरणों के मतदान के लिए बीजेपी-कांग्रेस दोनों ही पार्टी ने प्रचार पर पूरी ताकत झोक दी है। बीजेपी ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया है कि राज्य में बीजेपी की सरकार बनते ही सभी विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपए हर महीने दिए जाएंगे।

सीएम सलाहकार विनोद वर्मा बोले 'महादेव एप' राजनीतिक षडयंत्र

» विनोद वर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सिद्धार्थनाथ सिंह, केदार गुप्ता और अनुराग

अग्रवाल को भेजा है नोटिस

रायपुर,09 नवम्बर 2023(ए)। सीएम के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि भाजपा प्रवक्ताओं् सिद्धार्थनाथ सिंह, केदार गुप्ता, अनुराग अग्रवाल ने महादेव एप में मेरा नाम जोड़कर मेरी मानहानि की है ।

इसके पूर्व इस मामले में भाजपा कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय को-आडिनेटर सिद्धार्थ नाथ सिंह के साथ भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता, अनुराग अग्रवाल ने विनोद वर्मा पर महादेव सट्टा के जुड़े होने का आरोप लगाया था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा ने बताया कि सबसे पहले महादेव एप्प की जांच का काम छत्तीसगढ़ पुलिस ने शुरु किया। अब तक 72 मामले दर्ज किए गए हैं और 449 लोगों को गिरफ़्तार किया जा चुका है

राज्य सरकार व्दारा लिखे पत्र पर कार्रवाई करते हुए आखिरकार तीन दिन पहले केंद्र सरकार ने महादेव एप्प को बंद करने का दावा किया। लेकिन दिलचस्प और हैरान करने वाली बात यह है कि उसी शाम एक समाचार चैनल ने दिखा दिया कि रोक लगाने की बात बेकार है क्योंकि ऐप तो बाक़ायदा चल रहा है और सट्टेबाज़ी का खेल निर्बाध रूप से जारी है।

विनोद वमा ने कहा कि भारत में जुआ खेलना अपराध है और इस ऐप के माध्यम से जुआ खिलवाया जा रहा है, इस एप्प को बंद कर दिया जाए और इस ऐप को बनाने और चलाने वालों के नाम पुलिस को बताए जाएं। इस पत्र के बाद गूगल ने महादेव ऐप को गूगल प्ले स्टोर से हटा दिया।

191 लैपटॉप, 865 मोबाइल फ़ोन और डेढ़ करोड़ से अधिक की संपत्ति और 16 करोड़ रुपए बैंक खातों में ज़ब्त किए गए हैं। छत्तीसगढ़ में दर्ज मामलों के आधार पर ही प्रत्यावर्तन निदेशालय यानी ईडी ने जांच शुरु की। रायपुर पुलिस के साइबर सेल ने 12 अक्टूबर 2022 को गूगल को एक पत्र लिखकर कहा था कि महादेव एप्प गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध है।

-छत्तीसगढ़ पुलिस ने ही जांच के बाद पाया कि महादेव ऐप के संचालक रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर हैं। इसके बाद पुलिस ने इन दोनों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया।

इसके बाद से लगातार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार कह रहे हैं कि इन अपराधियों को केंद्र सरकार गिरफ़्तार करे क्योंकि वे इस देश में नहीं रहते और छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता कि वे किसी अपराधी को किसी दूसरे देश से गिरफ़्तार करके लाएं।

महादेव एप्प पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी उन्होंने बार बार की।

उन्होंने आशंका ज़ाहिर की थी कि ऐप पर रोक इसलिए नहीं लग रही है कि क्योंकि भाजपा के लोगों से संचालकों की सांठगांठ हो गई है। स्पष्ट है कि यह शायद केंद्र की मोदी सरकार के बूते की बात ही नहीं है कि वह महादेव ऐप को रोक सके। या वह चाहती ही नहीं कि इस पर रोक लगे।

क्योंकि केंद्र की सरकार तो सट्टेबाज़ी पर जीएसटी लगाकर कमाई करने में लगी है।

लेखा-जोखा पेश नहीं करने पर ईश्वर साहू को मिला नोटिस

बेमेतरा,09 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में चल रहे विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के दौरान खर्च का ब्योरा प्रस्तुत नहीं करने पर निर्वाचन आयोग ने साजा से भाजपा प्रत्याशी ईश्वर साहू को नोटिस भेजा है।साजा से भाजपा प्रत्याशी ईश्वर साहू को चुनाव खर्च का लेखा-जोखा पेश नहीं करने पर आयोग ने दूसरी बार नोटिस भेजा है। आयोग की नोटिस का प्रत्याशी को 48 घंटे के भीतर जवाब देना होता है। उल्लेखनीय है कि ईश्वर साहू वही ग्रामीण है जिनका बेटा भुवनेश्वर साहू बेमेतरा जिले के बिरनपुर कांड में मारा गया था।

प्रशासन की बड़ी लापरवाही

ट्रांस्फार्मर के पास आबंटित कर दिया गया पटाखा दुकान

बलौदाबाजार,09 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में इस बार लोकतंत्र का महापर्व और दिवाली आतिशबाजी के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी। दो महापर्व होने के कारण इस बार पटाखों की मांग अधिक होने की संभावना है। आतिशबाजी के लिए पटाखों की दुकाने भी सज गई है।

पटाखा व्यवसायी अच्छे कारोबार होने की आशंका से काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं पटाखा दुकानों के आबंटन को लेकर प्रशासन की बड़ी लापहवारी सामने आई है । शहर का पटाखा दुकान इन दिनों चुनाव को देखते हुए दशहरा मैदान से हटाकर इंदिरा कॉलोनी मुख्य मार्ग पर लगाया गया है. जहां दुकान आबंटित की गई है. आबंटित दुकानों के ठीक सामने विद्युत ट्रांसफार्मर लगा है जो खतरे की घंटी भी है। जिससे निकली एक चिंगारी बड़ी तबाही मचा सकती है और सब कुछ तहस नहस हो सकता है. यह बड़ी लापरवाही बलौदाबाजार के इंदिरा कॉलोनी मुख्य मार्ग में लगे पटाखा दुकान के पास की है।

इंदिरा कॉलोनी मुख्य मार्ग में लगे फटा का दुकान के ठीक सामने दो-दो टांसफार्मर लगे हैं जो कभी भी वोल्टेज के चलते चिंगारी गिरकर पटाखे पर लग सकती है. इस तरह की लापरवाही कहीं न कहीं प्रशासनिक चुक को बता रही है. वहीं मध्यमवर्गीय पटाखा व्यापारी जान जोखिम में डालकर व्यापार करने को मजबूर है. पटाखा व्यापारियों का कहना है कि जगह नीलामी के पूर्व नगरपालिका एसडीएम कार्यालय और कलेक्टर को आवेदन देकर स्थान बदलने निवेदन किया था पर नहीं सुना गया और अब हमलोग खतरे के बीच दुकान लगा रहे हैं, डर भी है और व्यापार भी करना है।वहीं फायर सेफ्टी इंचार्ज जितेंद्र कुर्रे ने मीडिया से कहा कि पटाखा दुकान के सामने पंडाल लगा है जो विद्युत ट्रांसफार्मर से लगा है. अमुनन वोल्टेज कम ज्यादा होने से चिंगारी गिरती है. जिससे कभी भी घटना घट सकता है. उन्होंने कहा कि मैंने अपने अधिकारी को बता दिया है और यदि घटना घटती है तो हम कंट्रोल नहीं कर पायेंगे।

पटाखा व्यापारियों का कहना है कि नीलाम के पूर्व ही जगह बदलने कहा गया था पर नहीं बदला गया. पहले यह दुकान दशहरा मैदान मे लगता था पर इस बार चुनाव के कारण यहां लगाये है. खतरा है पर जोखिम उठाकर काम कर रहे हैं और जो पर्दा लगा है वह धुप से बचने लगाया गया है।

विकास की लहर लाने के लिए भाजपा का सरकार बनाना होगा

गृहमंत्री शाह ने सभा स्थल से ही जशपुर वासियों को संबोधित किया और प्रत्याशी रायमुनी भगत के पक्ष में वोट देने अपील की

रायपुर,09 नवम्बर 2023(ए)। शाह आज जशपुर जिले के बगीचा पहुंचे थे। गृहमंत्री शाह ने सभा स्थल से ही जशपुर वासियों को संबोधित किया और प्रत्याशी रायमुनी भगत के पक्ष में वोट देने अपील की। जशपुर में गृहमंत्री शाह बोले- विकास की लहर लाना है तो कमल का बटन दबाना है।

गृहमंत्री शाह ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि, डबल इंजन की सरकार बनाए, ताकी छत्तीसगढ़ में विकास की लहर देखने को मिल सकेज्इसलिए कमल का बटना दवाना है। राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकार बनाना है।

महादेव एप्प को लेकर सीएम भूपेश बघेल को एक बार फिर घेरा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि, भूपेश झूठ बोले और धोखेबाजी किये है।उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार महादेव का नाम लेकर चंद्रयान चांद पर

भेजा, लेकिन छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल महादेव एप के माध्यम से सट्टा खिला रहे हैं।

अमित शाह ने जशपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में पहले चरण का चुनाव हो गया है, इसमें कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो गया है। यह निश्चित हो गया है कि आने वाले दिनों में यहां भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को कांग्रेस अटका रही थी, लटका रही थी, भटका रही थी। लेकिन नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने और उन्होंने राम मंदिर का भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी, 2024 को राम जन्मभूमि पर प्राण प्रतिष्ठा भी करने वाले हैं।

यही नहीं, भाजपा ने यहां अपने घोषणा पत्र में कहा है कि जिनके पास बीपीएल कार्ड है, उन सभी को बारी-बारी से अयोध्या दर्शन कराने का काम भाजपा सरकार करेगी।

कांग्रेस सरकार में अंधाधुंध धर्म परिवर्तन हुआ है। मैं आपको वादा करके जाता हूं, यह जूदेव जी की भूमि है, हम यहां कहीं भी आदिवासी भाई-बहन का धर्म परिवर्तन उनकी ईच्छा के खिलाफ नहीं होंगे देंगे। यहां कांग्रेस की सरकार ने 5 साल सिर्फ भ्रष्टाचार और घोटाले किए हैं।

अमित शाह ने रायगढ़ विधानसभा में किया रोड शो

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रायगढ़ विधानसभा में रोड शो किया। इससे पहले यानि चंद्रपुर में अमित शाह ने चुनावी सभा में कहा कि यहां पांच साल से कांग्रेस की सरकार है और इस सरकार ने हजारों करोड़ रुपये के घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार किये। इन्होंने महादेव के नाम से सट्टे की एप बनाकर घोटाला किया। महादेव के नाम से जुआ खिलाने का काम भूपेश बघेल ने किया।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद हर गरीब के 10 लाख तक के स्वास्थ्य का खर्च भाजपा सरकार उठाएगी। माताओं को 500 रुपये में गैस का सिलिंडर देने का काम भाजपा सरकार करेगी। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बना दो, सबको रामलला के दर्शन सरकार कराएगी। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब 10 साल में प्रदेश को मात्र 77 हजार करोड़ रुपये दिए गए। बीते 9 वर्षों में भाजपा सरकार के दौरान 3 लाख करोड़ रुपये दिए गए।

मंत्री के काफिले पर पथराव

» गाड़ियां हुई क्षतिग्रस्त, गुरु रूद्र सुरक्षित

» प्रचार से लौट रहे मंत्री के काफिले पर पथराव, गाड़ियों के शीशे टूटे.. मंत्री का बढ़ा बीपी

रायपुर/बेमेतरा,09 नवम्बर 2023(ए)। नवागढ़ विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी और मंत्री गुरु रूद्र कुमार के काफिले पर चुनाव से प्रचार से लौटते समय पथराव किया गया, जिसमे मंत्री के गाड़ी का शीशा टूट गया और कुछेक लोगो को चोट पहुंची है।

जानकारी अनुसार मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी गुरु रूद्र कुमार रात दस बजे ग्राम झाल से चुनाव प्रचार कर लौट रहे थे। तभी कुछ उपद्रवियों ने उनके काफिले पर पथराव कर दिया। मंत्री के काफिले में तीन गाड़ियां चल रही थी। पथराव से गाड़ियों के शीशे टूट गए और अंदर बैठे लोगो को चोट पहुंची है। मंत्री को भी चोट पहुंची है जिसका इलाज नवागढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। बताते है कि अचानक हुए घटनाक्रम से मंत्री का बीपी बढ़ गया था।

बेमेतरा की एसपी भावना गुप्ता ने कहा मामले जांच जारी है और पथराव के आरोपियों की पतासाजी

की जा रही है। समाचार तक पथराव करने वाले आरोपियों और पत्थरबाजी करने की वजह बेमेतरा पुलिस अब तक नहीं लगा पाई है।

घटना के बाद संख्या में समर्थक पहुंचे

बेमेतरा में कांग्रेस प्रत्याशी और मंत्री रुद्र गुरू के काफिले पर बुधवार देर रात हमला हो गया। कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी पर पथराव कर दिया। इसके चलते उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई और उसके शीशे टूट गए। बताया जा रहा है कि रुद्र गुरू और उनकी टीम सुरक्षित है। वारदात नवागढ़ ब्लॉक के झलगांव में हुई है। वह चुनाव प्रचार से लौट रहे थे। घटना सामने आने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थक बड़ी

वारदात, सियासत या सुरक्षा में खामी

इस घटना की खबर लगने के बाद बेमेतरा की सियासत में कयासों का बाजार भी गरमा गया है। राजनीतिक विरोधी पक्ष इस मामले को सियासी हथकंडा मन रहे हैं तो वहीं मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी गुरु रूद्र के समर्थक इसे सुरक्षा में चूक के साथ विरोधियों का षड़यंत्र भी मान रहे हैं।

जबकि बेमेतरा पुलिस इस वारदात की तफ्तीश में जुटी गई है। लोगों के बीच यह भी चर्चा है कि महज कुछ शरारती बच्चों की हरकत थी लेकिन लोकप्रियता और सहानुभूति के साथ यह सियासी लाभ बटोरने का तरीका भी हो। खैर, घटना के पीछे की वजह क्या थी यह तो पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगी।

जानकारी के अनुसार गुरु रूद्र कुमार बुधवार की देर को रात को ग्राम झाल में जनसम्पर्क पर थे। उन्होंने सबसे पहले ग्राम झाल के जैतखाम का पूजन कर महामाया मन्दिर का दर्शन उपरांत नवधा मंच में सभा को सम्बोधित किया।

सभा के पश्चात वे दौर समापन कर नवागढ़ आ रहे थे। तभी गांव के ठाकुर देव के पास मेंन रोड पर अंधेरे में कुछ उपद्रवियों ने उनके काफिले पर एकाएक पथराव कर दिया। उनके काफिले में तीन गाड़ियां चल रही थी। पत्थर सीधे जाकर गुरु रुद्र कुमार के गाड़ी पर पड़ा और उसका शीशा टूट गया। फिर उपद्रवी अंधेरे में गांव की गलियों से भाग गए।

विधायक बृजमोहन अग्रवाल पर बैजनाथ पारा में हमला

रायपुर,09 नवम्बर 2023(ए)।भाजपा के वरिष्ठ नेता और रायपुर दक्षिण विधानसभा प्रत्याशी विधायक बृजमोहन अग्रवाल पर बैजनाथ पारा में अचानक हमला कर दिया। जिसके बाद बृजमोहन अग्रवाल अपने हज़ारों कार्यकर्ताओं के साथ कोतवाली थाना में स्न्ढ्ढक्रदर्ज करने पहुंचे है।

छत्तीसगढ़ बीजेपी के वरिष्ठ नेता और दक्षिण रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल पर गुरुवार देर रात हमला हुआ। बृजमोहन अग्रवाल अपने चुनाव प्रचार के लिए मुस्लिम बहुल इलाके बैजनाथ पारा पहुंचे।

विधायक बृजमोहन अग्रवाल 7 बार के विधायक रहे है और इस बार भी भाजपा ने बृजमोहन अग्रवाल पर भरोसा करके पार्टी ने दक्षिण विधानसभा में चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया है। आज देर शाम बृजमोहन अग्रवाल अपने कार्यकर्ताओं के लाव-लश्कर के साथ अपने दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर निकले। बैजनाथ पारा पहुंचते ही कुछ अज्ञात लोगों ने विधायक बृजमोहन अग्रवाल और उनके कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 25 हज़ार से ज्यादा मुस्लिम मतदाता निवास करते है।

टेकलगुडियाम में हुए हमले में शामिल 14 मोस्ट वांटेड नक्सलियों पर एनआई ने की इनाम की घोषणा

» सुरक्षा बल के 22 जवान हुए थे शहीद

रायपुर,09 नवम्बर 2023(ए)। एनआईए ने 2 वर्ष पहले टेकलगुडियाम में सुरक्षा बल की एक टुकड़ी पर हुए हमले में शामिल 14 मोस्ट वांटेड नक्सलियों की सूची जारी की है। इन नक्सलियों के बारे में सूचना देने वालों को एनआई ने नकद इनाम देने की घोषणा भी की है।

मामले में चार्जशीट पेश कर चुकी है एनआईए

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बीजापुर जिले के टेकलगुडियाम में हुए नक्सली हमले के मामले में पिछले साल ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के 23 सदस्यों के खिलाफ जगदलपुर की एक विशेष अदालत में चार्जशीट दायर कर दी थी। अब इस मामले में एनआईए ने 14 मोस्ट वांटेड नक्सलियों पर ईनाम घोषित किया है। चार्जशीट में नामजद अभियुक्तों में वरिष्ठ माओवादी नेता मुपल्ला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति, नब्बला केशव राव उर्फ गगन्ना, सुजाता और खूंखार कमांडर हिड़मा शामिल हैं। एनआईए ने नक्सलियों के बारे में सूचना देने पर नकद इनाम की घोषणा की है। ये सभी नक्सली दहशत फैलाने के कामों में लगे हुए हैं। एनआईए ने इन नक्सलियों की सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखने की बात कही है। बताया जा रहा है कि ये नक्सली बस्तर संभाग में सक्रिय हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)